■ आषाढ़ शुक्ल - 12 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 350 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 18-07-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 'सबका साथ, सबका विकास' की जरूरत नहीं, हम उनका साथ देंगे जो हमारे साथ हैं : शुभेंदु

6 जम्मू-कश्मीर में आतंकियों को केंद्र ने दिया कानूनी संदेश

7 मिडिल लास व्यक्ति की तरह जिंदगी जीता हूं : पंकज त्रिपाठी

फर्स्ट टेक

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा पर मुठभेड़ में 12 नक्सली ढेर, दो जवान घायल

कांकेर/गढचिरौली/एजेन्सी। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर बुधवार को सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच पांच घंटे तक चली मुठभेड़ में 12 नक्सली मारे गए हैं। वहीं इस मुठभेड़ में गोली लगने से दो जवान घायल हो गये। घायल जवानों को एयरलिफ्ट कर महाराष्ट्र के गढचिरौली मुख्यालय लाया गया है। पूरे इलाके में सर्चिंग अभियान जारी है और सभी थानों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। बताया जा रहा है कि मुठभेड़ में डीवीसी लेवल के हार्डकोर नक्सली मारे गए हैं। नक्सलियों के शवों के साथ-साथ बेहद घातक हथियार सुरक्षा बल के जवानों ने बरामद किया है।

रूस, यूक्रेन ने की 95-95 युद्धबंदियों की अदला-बदली

कीव/एपी। यूक्रेन और रूस ने 95-95 युद्धबंदियों की अदला-बदली की है। दोनों देशों के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। इससे पूर्व, तीन सप्ताह पहले भी युद्धबंदियों की इस तरह की अदला-बदली की गई थी। यह बंदी बनाए गए सैनिकों को वापस भेजने के लिए कभी-कभार होने वाले समझौतों का हिस्सा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और रूस के रक्षा मंत्रालय ने इस अदला-बदली की सूचना दी। फरवरी 2022 में रूस के यूक्रेन पर हमले की शुरुआत के बाद से 54 बार युद्धबंदियों की अदला-बदली हो चुकी है। ना तो रूस और ना ही यूक्रेन ने युद्धबंदियों की संख्या का खुलासा किया। जेलेंस्की ने 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने फिर से समझौतों की मध्यस्थता की है। यूएई ने कहा कि उसका रूस और यूक्रेन दोनों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध कायम है।

असम में मुठभेड़ में हमार के तीन उग्रवादी मारे गए

सिलचर (असम)/भाषा। असम के कछार जिले में बुधवार को भीषण मुठभेड़ में हमार के कम से कम तीन संदिग्ध उग्रवादी मारे गए और कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''सुबह-सुबह एक अभियान में कछार जिले की पुलिस ने असम और पड़ोसी मणिपुर के हमार के तीन उग्रवादियों को मार गिराया। पुलिस ने दो एके राइफल, एक अन्य राइफल और एक पिस्तौल भी बरामद की है।'' गुवाहाटी स्थित असम पुलिस मुख्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से उनके कुछ जवानों के घायल होने की भी पुष्टि की है। उन्होंने कहा, ''हम अभी यह नहीं बता सकते कि उन्हें किस तरह की चोटें आई हैं।

18-07-2024 सूर्यास्त 6:49 बजे | 19-07-2024 सूर्योदय 6:02 बजे

BSE	NSE
80,716.55	24,613.00
(+51.69)	(+26.30)

सोना	चांदी
7,599 रु.	94,850 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दुष् कर

अन्यायपूर्ण लगता है यदि,
सरकार वसूले ज्यादा कर।
करदाता रहते दुविधा में,
सुविधा में है कर के तस्कर।
टक्कर लेता है सिस्टम से ,
कर चोरों का तगड़ा लश्कर।
कर का चक्कर में गोलमाल,
सबको लगता हरदम दुष्कर।।

स्वर्ण भेष शृंगार

ओडिशा के पुरी में बुधवार को भगवान जगन्नाथ के 'स्वर्ण भेष' आयोजन को देखने के लिए करीब 15 लाख लोग एकत्रित हुए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस आयोजन में रथ पर विराजमान भगवान जगन्नाथ की मूर्ति को बहुमूल्य रत्नों से जड़े स्वर्ण आभूषणों से सजाया गया था। अपने रथों पर विराजित भगवान जगन्नाथ के भाई-बहनों (देवी सुभद्रा और भगवान बलभद्र) की मूर्तियों को भी सेवायतों द्वारा बारहवीं शताब्दी के प्रसिद्ध मंदिर के सिंह द्वार के सामने स्वर्ण आभूषणों से सजाया गया। सूत्रों ने कहा कि देवी-देवता इस अवसर पर लगभग 208 किलोग्राम सोने के आभूषण पहनते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यह परंपरा 15वीं सदी से चली आ रही है। देवी-देवताओं की मूर्तियों के इस शृंगार को 'स्वर्ण भेष' कहते हैं।

असम में मुस्लिम आबादी अब 40 प्रतिशत, जनसांख्यिकी परिवर्तन बड़ा मुद्दा : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा ने बुधवार को दावा किया कि उनके राज्य में मुस्लिम आबादी बढ़कर अब 40 प्रतिशत हो गई है और पूर्वोत्तर राज्य में जनसांख्यिकी परिवर्तन एक ''बड़ा मुद्दा'' है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के झारखंड चुनाव सह-प्रभारी ने यहां पार्टी की एक बैठक के इतर यह टिप्पणी की। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''मैं असम से संबंध रखता हूं और जनसांख्यिकी परिवर्तन मेरे लिए एक बड़ा मुद्दा है। मेरे राज्य में मुस्लिम आबादी अब 40 प्रतिशत है, जो 1951 में 12 प्रतिशत थी। यह मेरे लिए कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि जीवन-मरण का सवाल है।''

इससे पहले, उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि झारखंड के आदिवासी इलाकों में बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र में घुसपैठियों के खिलाफ एक मजबूत कार्ययोजना को शामिल करेगी।

शर्मा ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर तीखा हमला करते हुए उन पर झारखंड को 'मिनी बांग्लादेश' में बदलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''घुसपैठिए झारखंड आते हैं और आदिवासी लड़कियों से शादी कर उनकी जमीन हड़प लेते हैं। मैं झारखंड में एक ऐसे कानून की मांग करता हूं जिसमें यह प्रावधान हो कि आदिवासी लड़कियां घुसपैठियों से शादी नहीं कर सकतीं।''

शिवाजी महाराज का हथियार 'वाघ नख' लंदन से मुंबई लाया गया : मुनगंटीवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

– फाईल फोटो

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के संस्कृति मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने कहा कि छत्रपति शिवाजी द्वारा इस्तेमाल किया गया बाघ के पंजे के आकार का हथियार 'वाघ नख' बुधवार को लंदन के एक संग्रहालय से मुंबई लाया गया है। इस वाघ नख को अब पश्चिम महाराष्ट्र के सतारा ले जाया जाएगा, जहां 19 जुलाई से इसका प्रदर्शन किया जाएगा।

मुनगंटीवार ने एक सवाल के जवाब में 'पीटीआई-भाषा' को बताया, वाघ नख लाया जा चुका है। हालांकि उन्होंने कोई और जानकारी नहीं दी।

राज्य के आबकारी मंत्री शंभुराज देसाई ने मंगलवार को कहा था कि वाघ नख का सतारा में भव्य स्वागत किया जाएगा। उन्होंने पत्रकारों को बताया था कि लंदन के एक संग्रहालय से लाए जाने वाले इस हथियार में 'बुलेट प्रूफ' कवर होगा। उन्होंने बताया कि इसे सात महीने के लिए सतारा के एक संग्रहालय में रखा जाएगा। सतारा के संरक्षक मंत्री देसाई ने मंगलवार को जिले के छत्रपति शिवाजी संग्रहालय में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की थी।

देसाई ने कहा था कि महाराष्ट्र में वाघ नख का लाया जाना प्रेरणादायक क्षण है और इसका सतारा में भव्य स्वागत किया जाएगा।

ओमान तट के नजदीक डूबे टैंकर पर सवार 13 भारतीयों में से आठ को बचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ओमान तट के नजदीक तीन दिन पहले डूबे कोमोरोस के ध्वज वाले मालवाहक जहाज पर सवार 13 भारतीयों में से आठ को बचा लिया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जहाज एमटी फाल्कन प्रेस्टीज 14 जुलाई को डूब गया था और उस पर 13 भारतीय नाविक सवार थे।

सूत्रों ने बताया कि तलाश एवं बचाव अभियान के दौरान एमटी फाल्कन प्रेस्टीज के चालक दल के नौ सदस्यों को बचा लिया गया है जिनमें आठ भारतीय और एक श्रीलंकाई है। उन्होंने बताया कि चालक दल के शेष सदस्यों का पता लगाने के लिए क्षेत्र में खोज एवं बचाव अभियान जारी रहेगा।

सूत्रों ने बताया कि ओमान स्थित भारतीय दूतावास खाड़ी देश के संबंधित अधिकारियों के संपर्क में है। एक सूत्र ने पूर्व में बताया था कि जहाज एमटी फाल्कन प्रेस्टीज ने 14 जुलाई को रात लगभग 10 बजे ओमान के तट पर आपात संदेश भेजा था।

निजी कंपनियों में

कन्नड़ भाषियों के लिए आरक्षण संबंधी विधेयक को कर्नाटक सरकार ने ठंडे बस्ते में डाला

कारोबार क्षेत्र की हस्तियों ने आपत्ति जताते हुए इसे 'फासीवादी' और 'अदूरदर्शी' बताया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- **विधेयक में किसी भी उद्योग, कारखाने या अन्य प्रतिष्ठानों को प्रबंधन श्रेणियों में 50 प्रतिशत और गैर-प्रबंधन श्रेणियों में 70 प्रतिशत स्थानीय उम्मीदवारों की नियुक्ति का प्रावधान किया गया था।**
- **विधेयक को अस्थाई रूप से रोक दिया गया है। इस पर आगामी दिनों में फिर से विचार किया जाएगा और निर्णय लिया जाएगा।**

बेंगलूरु/भाषा। कारोबार और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लोगों की तीखी आलोचना के बाद कर्नाटक सरकार ने बुधवार को उस विधेयक को ठंडे बस्ते में डाल दिया जिसमें निजी क्षेत्र में कन्नड़ भाषियों के लिए आरक्षण अनिवार्य किया गया था।

कर्नाटक राज्य उद्योग, कारखानों और अन्य प्रतिष्ठानों में स्थानीय उम्मीदवारों के लिए रोजगार विधेयक, 2024 को सोमवार को राज्य मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी थी। इस विधेयक को बृहस्पतिवार को विधानसभा में पेश किए जाने की संभावना थी।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से बुधवार को जारी एक बयान में कहा गया, ''निजी क्षेत्र के संस्थानों, उद्योगों और उद्यमों में कन्नड़ भाषियों को आरक्षण देने के लिए मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत विधेयक को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। इस पर आगामी दिनों में फिर से विचार किया जाएगा और निर्णय लिया जाएगा।''

इससे पहले, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने भी 'एक्स' पर पोस्ट किया था, ''निजी क्षेत्र के संस्थानों, उद्योगों और उद्यमों में कन्नड़ भाषी लोगों के लिए आरक्षण लागू करने का विधेयक अभी तैयारी के चरण में है। मंत्रिमंडल की अगली बैठक में व्यापक चर्चा के बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा।'' विधेयक में कहा गया, ''किसी भी उद्योग, कारखाने या अन्य प्रतिष्ठानों को प्रबंधन श्रेणियों में 50 प्रतिशत और गैर-प्रबंधन श्रेणियों में 70 प्रतिशत स्थानीय उम्मीदवारों की नियुक्ति करनी होगी।''

कारोबार क्षेत्र की हस्तियों ने प्रस्तावित कोटे पर आपत्ति जताते हुए इसे 'फासीवादी' और 'अदूरदर्शी' बताया।

जानेमाने उद्यमी एवं इंफोसिस के पूर्व मुख्य वित्त अधिकारी टी.वी. मोहनदास पई ने विधेयक को 'फासीवादी' करार दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''इस विधेयक को रद्द कर देना चाहिए। यह पक्षपातपूर्ण, प्रतिगामी और संविधान के विरुद्ध है। अविश्वसनीय है कि कांग्रेस इस तरह का विधेयक लेकर आई है- एक सरकारी अधिकारी निजी क्षेत्र की भर्ती समितियों में बैठेगा? लोगों को भाषा की परीक्षा देनी होगी...?''

कर्नाटक का यह कदम हरियाणा सरकार द्वारा पेश किए गए विधेयक जैसा ही है, जिसमें राज्य के निवासियों के लिए निजी क्षेत्र की नौकरियों में 75 प्रतिशत आरक्षण अनिवार्य किया गया था। हालांकि, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने 17 नवंबर 2023 को हरियाणा सरकार के फैसले को रद्द कर दिया था।

वाल्मीकि कारपोरेशन के धन का इस्तेमाल आम चुनाव से पहले शराब खरीदने में हुआ

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को आरोप लगाया कि कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड से दुरुपयोग की गयी काफी धनराशि का उपयोग हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों के दौरान शराब के अलावा कुछ महंगे वाहनों की खरीद में किया गया। संघीय जांच एजेंसी ने इस मामले में कांग्रेस विधायक और राज्य के पूर्व कैबिनेट मंत्री बी. नागेंद्र को गिरफ्तार किया है। एजेंसी ने हाल ही में एक बयान जारी कर आरोप लगाया है कि विधायक से जुड़े लोग धन के दुरुपयोग और नकदी प्रबंधन में संलिप्त हैं। पूर्व आदिवासी कल्याण एवं खेल मंत्री नागेंद्र को पिछले सप्ताह प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था। ईडी द्वारा उनके और बेंगलूरु में रायचूर ग्रामीण सीट से कांग्रेस विधायक बसनगौड़ा दद्दाल के खिलाफ छापेमारी के बाद यह गिरफ्तारी की गयी थी। पूर्व मंत्री 18 जुलाई तक ईडी की हिरासत में हैं। एजेंसी ने दावा किया कि जांच में पाया गया कि वाल्मीकि निगम के धन से लगभग 90 करोड़ रुपये आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में 18 फर्जी खातों में भेजे गए। इसके बाद इस धनराशि को फर्जी और मुखौटा खातों के माध्यम से आरोपियों के बीच नकदी और सोना के तौर पर वितरित किया गया।

सुलभ स्वास्थ्य सेवा हर नागरिक का अधिकार : जितेंद्र सिंह

सुलभ, सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं के लिए नवीनतम तकनीक अपनाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सुलभ, किफायती स्वास्थ्य सेवा के लिए नवीनतम तकनीक के उपयोग पर जोर दिया है और कहा है कि भारत दुनिया के शीर्ष छह जैव-निर्माताओं में एक है और अपनी अधिक लागत प्रभावी और प्रभावकारिता आधारित जैव-विनिर्माण के साथ-साथ लागत प्रभावी स्वास्थ्य सेवा गंतव्यों में शामिल है।

डॉ सिंह यहां बुधवार को 'अमेरिकन चैंबर ऑफ इंडिया' (एएमसीएचएएम) के दूसरेहेल्थकेयर सम्मेलन' को संबोधित रहे थे। उन्होंने जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रयासों और ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए उनकी उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में जैव विनिर्माण और जैव फाउंड्री क्षेत्र में निवेश 2014 में 13 अरब डॉलर था जो 10 गुना बढ़कर 2024 में 130 अरब डॉलर हो गया है। देश के फार्मास्युटिकल क्षेत्र की मजबूती के बारे में मंत्री ने कहा, भारत अमेरिका में भरे जाने वाले हर दस नुस्खों में से चार की आपूर्ति करता है, जो हमारी फार्मास्युटिकल विनिर्माण क्षमताओं को उजागर करता है। उन्होंने इन क्षेत्रों में भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी को महत्वपूर्ण बताया।

केन्द्रीय मंत्री के पास विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग और अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन विभाग हैं।

किसान ने 'जमीन हड़पने' के विरोध में सरकारी कार्यालय में जमीन पर लोट लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंदसौर (मप्र)/भाषा। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में एक किसान ने जमीन हड़पने की उसकी शिकायत पर प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाते हुए बुधवार को जिलाधिकारी कार्यालय में जमीन पर लोट लगाई।

बहरहाल, अधिकारियों ने इस आरोप से इनकार किया है।

सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किए गए एक वीडियो में बुजुर्ग किसान शंकरलाल को मंदसौर जिलाधिकारी कार्यालय में जमीन पर लोटते हुए देखा जा सकता है। शंकर का दावा है कि कोई उनकी शिकायत नहीं सुन रहा।

किसान ने आरोप लगाया कि भू-माफिया ने अधिकारियों की मिलीभगत से उनकी जमीन को धोखाधड़ी से हड़प लिया है।

शंकरलाल ने वीडियो में कहा कि मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान जब किसी ने उनकी शिकायत नहीं सुनी, तो उन्होंने विरोध में जिलाधिकारी कार्यालय में जमीन पर लोटने का फैसला किया।

मंदसौर के जिलाधिकारी दिलीप यादव ने बुधवार को आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा, ''मौके से मिली जानकारी के अनुसार, किसी भी व्यक्ति/भू-माफिया ने संबंधित भूमि पर कब्जा नहीं किया है।''

यादव ने कहा कि जनसुनवाई के दौरान शंकरलाल की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) और तहसीलदार से रिपोर्ट मांगी गई थी। इसमें पाया गया कि शंकरलाल और उनके परिवार के सदस्यों के पास संयुक्त रूप से 3.52 हेक्टेयर भूमि है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि संयुक्त मालिकों में से एक, संपत बाई ने 2010 में अपनी भूमि का हिस्सा अश्विन देशमुख नाम के व्यक्ति को बेच दिया लेकिन खरीदार ने अभी तक उस पर कब्जा नहीं किया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इसके विपरीत, यह पाया गया कि शंकरलाल ने न केवल अपनी भूमि पर कब्जा किया है बल्कि वह संपत बाई के स्वामित्व वाले हिस्से पर भी कब्जा किए हुए है। जिलाधिकारी ने कहा कि सीतामऊ के एसडीएम के अनुसार, किसी भी व्यक्ति या भू-माफिया ने संबंधित भूमि पर कब्जा नहीं किया है।

रक्तदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के विजयनगर स्थित कन्नड करावली वेदिके द्वारा विजयनगर स्थित राधाबाई तिमप्पा भंडारी सभागार में आयोजित 25वें वार्षिकोत्सव के मौके पर रक्तदान शिविर,निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत एवं समारोह अध्यक्ष डाक्टर बलाल ने शिविर में रक्तदान करने आए युवाओं को प्रोत्साहित किया। लायंस ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित शिविर में मुणोत ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश यडालते हुए रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र भेंट किए।

जीएसडब्ल्यू मोटर इंडिया के सीईओ ने कहा

यात्री वाहनों पर मौजूदा जीएसटी दर में बदलाव की जरूरत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के मानद मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राजीव छाबा ने कहा है कि भारत में यात्री वाहनों पर मौजूदा माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दर संरचना काफी पुरानी हो चुकी है। इसे मोटर वाहन उद्योग में हो रहे नए घटनाक्रमों के अनुरूप बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरकार को मोटर वाहन क्षेत्र पर नीतियां बनाते समय वाहनों से होने वाले उत्सर्जन, आयात बिल में कमी, सतत स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला और स्वामित्व की कुल लागत के समग्र परिप्रेक्ष्य पर विचार करना चाहिए।

केंद्रीय बजट से पहले हाइब्रिड वाहनों को कर प्रोत्साहन दिए जाने पर विचार किए जाने की अटकलों के बीच उन्होंने कहा कि केवल मजबूत 'प्लग-इन' हाइब्रिड वाहन पर ही ऐसे लाभ के लिए विचार किया जाना चाहिए, जिनमें परंपरागत इंजन से स्वतंत्र बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन के रूप में चलने की क्षमता हो। छाबा ने कहा, '' पहले हमने कहा था कि कार का आकार चार मीटर से कम होगा। हमने कहा था कि 1.2 लीटर इंजन, 1.5 लीटर इंजन होगा और उसके आधार पर हमारे पास जीएसटी संरचना व्यापक थी। मुझे लगता है कि अब यह बीते दिन की बात हो गई है।'' वर्तमान में चार मीटर तक लंबे और 1200 सीसी पेट्रोल इंजन वाले हाइब्रिड पीवी या चार मीटर तक लंबे तथा 1,500 सीसी डीजल इंजन वाले हाइब्रिड यात्री वाहन (पीवी) पर बिना किसी उपकर के 28 प्रतिशत जीएसटी दर लागू है। वहीं चार मीटर से अधिक या 1,200 सीसी पेट्रोल इंजन वाले हाइब्रिड पीवी या 1,500 सीसी डीजल इंजन वाले हाइब्रिड पीवी पर 15 प्रतिशत उपकर के साथ 28 प्रतिशत जीएसटी दर लागू है।

औषधि विनियमन में वैश्विक अग्रणी देश बनने के लिए भारत को विश्व स्तरीय नियामक ढांचे की जरूरत : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा ने बुधवार को कहा कि औषधि विनियमन में वैश्विक अग्रणी देश बनने के लिए भारत को विश्व स्तरीय नियामक ढांचे की आवश्यकता है।

नड्डा ने कहा कि भारत को 'विश्व की फार्मेसी' की अपनी वैश्विक प्रतिष्ठा के अनुरूप औषधि विनियमन में वैश्विक अग्रणी देश बनने के लिए अपने परिचालन के पैमाने और अंतरराष्ट्रीय अपेक्षाओं के अनुरूप विश्व स्तरीय नियामक ढांचे की जरूरत है। नड्डा ने यहां औषधियों, सौंदर्य प्रसाधनों और चिकित्सा उपकरणों के विनियमन की समीक्षा बैठक में दवाओं के अग्रणी उत्पादक और निर्यातक के रूप में भारत की वैश्विक स्थिति को रेखांकित किया। उन्होंने केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) द्वारा अपने कार्यादेश के तहत वैश्विक मानकों को प्राप्त करने की समयसीमा के साथ एक रूपरेखा तैयार करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि दवाओं के निर्यात के लिए उचित प्रणाली तैयार की जानी चाहिए, ताकि निर्यात की जा रही औषधियों की गुणवत्ता बनाये रखी जा सके। नड्डा ने सीडीएससीओ के कामकाज में पारदर्शिता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि औषधि विनियामक निकाय तथा उद्योग दोनों को पारदर्शिता के उच्चतम सिद्धांतों पर काम करना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि भारत द्वारा निर्मित किये जाने वाले और बेचे जाने वाले उत्पाद वैश्विक गुणवत्ता मानकों के उच्चतम मानकों को पूरा करते हों। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सीडीएससीओ के लिए दवा एवं चिकित्सा उपकरण उद्योग के साथ निरंतर संवाद बनाए रखना महत्वपूर्ण है, ताकि उनके मुद्दों को समझा जा सके तथा सीडीएससीओ की गुणवत्ता अपेक्षाओं और मानकों को पूरा करने के लिए उनका समर्थन किया जा सके। उन्होंने कहा, ''हमारा ध्यान ऐसी व्यवस्था विकसित करने पर होना चाहिए, जो विनियामक आवश्यकताओं के भीतर दवा उद्योग के लिए व्यापार करना आसान बना सकें।''

'यंत्र-मंत्र हैं प्राचीन विद्याओं के अद्भुत अवदान'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। बुधवार को आषाढ़ी एकादशी के अवसर पर नजरबाद स्थित बुद्धि-वीर वाटिका, शिक्षक सदन के विशाल पंडाल में मंगलमय लब्धि कुंभ स्थापना के उपलक्ष्य में श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि तीन या तीन से अधिक स्वरों और व्यंजनों के जोड़ से बीजमंत्र का निर्माण होता है। ये ध्वनिविज्ञान के अद्भुत आविष्कार हैं।

शरीर के अलग-अलग केंद्रों को ये स्पर्श करते हैं। मंत्रों से आभामंडल बदलता है। शुभ संकेत मिल सकते हैं। शरीर और मन के रोग मिट सकते हैं। साधनाओं से अनेक सिद्धियां प्राप्त होने के हजारों प्रसंग भारतीय साहित्य में मौजूद हैं। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मंत्र व यंत्र प्राचीन विद्याओं के अद्भुत अवदान हैं। इनकी साधनाओं ने भारतीय परंपरा को अपर शक्ति प्रदान की है। साधक की भूमिका, दैविक तत्व, दिशा, स्थान, शुभ दिन, श्रेष्ठ समय, विधि, मंत्र और यंत्र की रचना, सामग्री तथा संकल्प का बल इन मंत्र साधनाओं के पूरक तत्व हैं। मंत्रों और यंत्रों की मनोविज्ञान समझने जैसा है।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने आगे कहा कि हालांकि यंत्र, मंत्र और तंत्र साधनाएं आधुनिक विज्ञान की पहोंच से आज भी दूर हैं। लेकिन हमें यह भी समझना चाहिए कि किसी वस्तु के रहस्यों को न जान पाने का यह अर्थ नहीं होता कि वह वस्तु महत्वहीन या गलत है। साधनाएं तो मनुष्य के अंतर्जगत का विषय हैं। बाहरी जगत् के भोग-उपभोग, मौज-शौक, मोह-प्रपंच, धन-वैभव, विषय-कषायों से उनका कोई संबंध नहीं हैं। साधनाएं भौतिक जगत् की प्रयोगशालाओं के संशोधनों का नहीं, आंतरिक शक्तियों के आविष्कार और विकास का विषय है। नई पीढ़ी को यह तथ्य भलीभांति समझने की आवश्यकता है।

वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने बताया कि स्तोत्रपाठ और विविध प्राचीन मंत्रों से कर्पूर, केसर, कस्तूरी, अगर, तगर, अत्तर आदि सुगंधित पवित्र द्रव्यों को चंदन के पाउडर में मिलाकर लब्धि कुंभ भरा गया। निर्मलादेवी अमृतलाल मांडोत परिवार ने लाभार्थी बनकर प्रदक्षिणा पूर्वक उसकी स्थापना की। गणि पद्मविमलसागरजी और सहवर्ती श्रमणों ने शांतिपाठ किया। भ अशोक दांतेवाड़िया ने कार्यक्रमों की जानकारी दी। भंवरलाल लुंकड़, प्रवीण दांतेवाडिया आदि समिति के सभी सदस्यों ने श्रद्धालुओं का अभिवादन किया।

बेहतर होगा कि राजनीति सियासी नेताओं पर छोड़ दें पुलिस महानिदेशक स्वैन : उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के प्रमुख आर आर स्वैन के हालिया बयान की आलोचना की है कि स्थानीय संगठन राजनीतिक लाभ के लिए आतंकवादियों के आकाओं का साथ दे रहे हैं। अब्दुल्ला ने यहां पत्रकारों से बातचीत में यह भी कहा कि केंद्र सरकार को विधानसभा चुनाव से पहले जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करना चाहिए क्योंकि केंद्र शासित प्रदेश आतंकवाद से निपटने समेत सभी मोर्चों पर विफल रहा है।

जम्मू कश्मीर के पुलिस महानिदेशक के हालिया विवादास्पद बयान के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने कहा कि वह राजनीति के क्षेत्र में कदम रख चुके हैं और उन्होंने राजनीतिक भाषण दिया है। उन्होंने कहा, बेहतर होगा कि वह राजनीति सियासी नेताओं पर छोड़ दें और स्थिति सुधारने तथा उग्रवाद से निपटने का अपना काम करें। हम सियासी नेता कानून-व्यवस्था की देखरेख नहीं कर सकते, हम उग्रवाद से नहीं लड़ सकते, ये बात और है कि हमारी पार्टी ने सबसे ज्यादा बलिदान दिए हैं। उन्होंने कहा, हम उग्रवाद के खिलाफ आवाज उठा सकते हैं, हम सरकार के प्रयासों में मदद कर सकते हैं लेकिन उग्रवाद से लड़ना पुलिस प्रमुख का काम है। वह अपना काम करें, हम अपना काम करेंगे।

स्वैन ने सोमवार को दावा किया था कि पाकिस्तान ने उग्रवाद के चरम पर पहुंचने के दौरान जम्मू-कश्मीर में समाज के विभिन्न तबकों में घुसपैठ की और क्षेत्रीय दलों ने राजनीतिक लाभ के लिए आतंकवादियों के आकाओं को बढ़ावा दिया।

महत्वपूर्ण खनिज, सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा की सुचारू आपूर्ति के लिए सहयोग जरूरी : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने महत्वपूर्ण खनिजों, सेमीकंडक्टर, दवाओं और हरित ऊर्जा की सुचारू आपूर्ति के लिए भरोसेमंद भागीदार देशों के बीच सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया है। बुधवार को जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, गोयल ने जी-7 समूह के व्यापार मंत्रियों की इटली के रेजियो कैलाब्रिया में आयोजित बैठक में इस सहयोग का प्रस्ताव रखा। उन्होंने महामारी, यूक्रेन-रूस संघर्ष और लाल सागर संकट जैसी मुश्किलों के वक्त वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की मजबूती का विश्लेषण करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा विभिन्न मंचों के मातहत कई देशों में जुझारू आपूर्ति श्रृंखला बनाने के प्रयास जारी हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने बयान में कहा, ''गोयल ने महत्वपूर्ण खनिजों, सेमीकंडक्टर, दवाओं और हरित ऊर्जा जैसे अहम क्षेत्रों में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुदृढ़ करने के लिए विश्वसनीय भागीदारों के बीच सहयोग का प्रस्ताव रखा।''

शांतिनगर में हुआ संतश्री राजेशमुनि का सादगीपूर्ण चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर में वर्धमान श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के लुणावत जैन स्थानक भवन में उत्तर भारतीय संतश्री राजेशमुनिजी 'श्रमण' का मंगलमय चातुर्मास प्रवेश सादगीपूर्ण ढंग से हुआ। विल्सन गार्डन जैन स्थानक से प्रातः 725 बजे श्रावक-श्राविका एवं युवक-युवती वर्ग के साथ पाद विहार कर संतों ने शांतिनगर स्थानक में 8.15 बजे प्रवेश किया।

प्रवचन हॉल में सर्वप्रथम महिला मंडल ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। तत्पश्चात संघ मंत्री छगनमल लुणावत ने मुनिश्री का स्वागत कर कृतज्ञता ज्ञापित की। इस मौके पर संतश्री ने अपने मंगल प्रवेश पर कहा कि मैं गुरुदेव संघशास्ता श्री सुदर्शनलालजी का आशीर्वाद लेकर आया हूँ। मैं वापी गुजरात में शांतिनगर संघ के निवेदन को स्वीकार कर बेंगलूरु में चातुर्मास करने आया हूँ। मैं वोट लेने नहीं, नोट लेने नहीं,सपोर्ट लेने नहीं, अपितु आप सबकी खोट लेने आया है।

शांतिनगर का चातुर्मास तप-त्याग व धर्म ध्यान से परिपूर्ण हो, यही शुभ भाव लेकर आया हूँ। शांतिनगर के सभी श्रावक तप त्याग व ज्ञान ध्यान में आगे बढ़े यही मेरी प्रेरणा है। इस प्रसंग पर बेलगावी से राजेन्द्र कटारिया एवं हुब्बल्ली से महेन्द्र सिंघी, गौतम गुलेच्छा,गौतम बाफना आदि बेंगलूरु के विभिन्न संघों के पदाधिकारी व अनेक श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे।

समुद्री अनुसंधान पोत बनाएगा जीआरएसई

कोलकाता/भाषा। रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) ने एक महासागर अनुसंधान पोत के निर्माण के लिए राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं महासागर अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर) के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

जीआरएसई ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि 42 महीनों में पोत के निर्माण के लिए जीआरएसई और एनसीपीओआर अधिकारियों के बीच लगभग 840 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। कोलकाता मुख्यालय वाली युद्धपोत निर्माता कंपनी ने कहा कि उसके पास सर्वेक्षण जहाजों के क्षेत्र में आवश्यक विशेषज्ञता है और वह लगभग चार दशकों से भारतीय नौसेना के लिए इनका निर्माण कर रही है।

हरियाणा ने कांस्टेबल, वन रक्षक के पद पर अग्निवीर के लिए 10% आरक्षण की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले हरियाणा की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने कांस्टेबल, वन रक्षकों और जेल वार्डन की भर्ती के साथ-साथ अन्य पदों पर अग्निवीर के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण की बुधवार को घोषणा की।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह भी कहा कि यदि कोई अग्निवीर अपना व्यवसाय शुरू करना चाहता है तो सरकार उसे पांच लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराएगी। सैनी ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''राज्य सरकार द्वारा कांस्टेबल, खनन रक्षक, वन रक्षक, जेल वार्डन और विशेष पुलिस अधिकारी के पदों पर की जाने वाली सीधी भर्ती में अग्निवीर के लिए 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण होगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रुप सी और डी के पदों पर भी आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट दी जाएगी। सैनी ने कहा, ''हालांकि अग्निवीर के पहले बैच के लिए यह छूट पांच वर्ष होगी।'' उन्होंने अग्निवीर को रोजगार देने वाली औद्योगिक इकाइयों के लिए भी रियायतों की घोषणा की।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में 40 सदस्याएं हुई लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। सिवांची मालानी तेरापंथ महिला संगठन ने अपनी सदस्याओं के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया, जिसमें 40 सदस्याओं ने भाग लिया। स्वास्थ्य जांच और कल्याण शिविरम में पोषण विशेषज्ञ नितिन मावड़िया, निशा खासी और प्रीति बाफना ने महिलाओं का मार्गदर्शन किया और परामर्श दिया। अध्यक्ष संगीता तातेड़ व मंत्री राजुल चोपड़ा के नेतृत्व में संगठन की पूर्व अध्यक्ष सरस्वती बाफना, उपाध्यक्ष ममता मेहता आदि मौजूद थी।

रिहाई रोकने के लिए सीबीआई ने मुझे गिरफ्तार किया : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में कहा कि आबकारी 'घोटाला' मामले में उनकी रिहाई को रोकने के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो(सीबीआई) ने उन्हें गिरफ्तार किया।

उच्च न्यायालय ने छुट्टी होने के बावजूद मामले की सुनवाई की। इस दौरान केजरीवाल का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता ने न केवल सीबीआई की ओर से की गई गिरफ्तारी की आलोचना की बल्कि उन्हें मामले में जमानत पर रिहा करने का भी अनुरोध किया। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की अदालत के समक्ष आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक का पक्ष रह रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने दलील दी, '' यह दुर्भाग्य से रिहाई रोकने के लिए की गई गिरफ्तारी है। मेरे पास (ईडी के मामलों में) बहुत ही सख्त प्रावधानों में प्रभावी रिहाई के तीन आदेश हैं...ये आदेश दिखाते हैं कि व्यक्ति रिहाई के लिए अधिकृत है। उसे रिहा किया जाना चाहिए लेकिन उसकी रिहाई न हो यह सुनिश्चित करने के लिए उसे गिरफ्तार किया गया है।'' सिंघवी ने कहा कि केजरीवाल '' आतंकवादी नहीं थे।'' उन्होंने कहा कि उनके मुवक्किल की गिरफ्तारी कानून के तहत नहीं हुई और मुख्यमंत्री जमानत के हकदार हैं।

सीबीआई की ओर पेश हुए अधिवक्ता डी.पी.सिंह ने केजरीवाल द्वारा दाखिल दो याचिकाओं का विरोध किया। मुख्यमंत्री ने एक अर्जी में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी है जबकि दूसरी अर्जी में जमानत देने का अनुरोध किया है। केजरीवाल ने दावा किया है कि उनकी रिहाई को रोकने के लिए उन्हें गिरफ्तार किया गया है और यह 'अन्यायपूर्ण' है। केजरीवाल को सीबीआई ने 26 जून को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था जहां पर वह पहले ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज धनशोधन के मामले में न्यायिक हिरासत में थे। मुख्यमंत्री को ईडी ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था और सुनवाई अदालत ने 20 जून को उन्हें धनशोधन के मामले में जमानत दे दी थी। हालांकि, सुनवाई अदालत के फैसले पर उच्च न्यायालय ने रोक लगा दी थी। केजरीवाल को उच्चतम न्यायालय ने 12 जुलाई को धनशोधन के मामले में अंतरिम जमानत दी। विवादास्पद आबकारी नीति को दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा इसे बनाने एवं लागू करने में हुई कथित अनियमितता एवं भ्रष्टाचार की जांच सीबीआई को सौंपने के बाद 2022 में रद्द कर दिया गया था।

केदारनाथ मंदिर की प्रतिकृति बनाने से पीछे नहीं हटेगा दिल्ली ट्रस्ट, कहा-कानूनी लड़ाई के लिए तैयार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। श्री केदारनाथ धाम दिल्ली ट्रस्ट के संस्थापक सुरेंद्र रौतेला ने बुधवार को जोर दिया कि वह यहां केदारनाथ मंदिर की प्रतिकृति बनाने से पीछे नहीं हटेंगे और जरूरत पड़ी तो कानूनी लड़ाई के लिए तैयार हैं। उत्तराखंड में तीर्थस्थलों और मंदिरों की देखरेख करने वाली शीर्ष संस्था बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने यहां बुराड़ी में मूल केदारनाथ मंदिर की प्रतिकृति बनाने की योजना के लिए दिल्ली ट्रस्ट के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की धमकी दी है।

केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री जैसे चार धामों में से एक की प्रतिकृति बनाने की योजना पर उत्तराखंड के पुजारियों ने भी आपत्ति जताई है। रौतेला ने कहा कि उन्होंने भ्रम से बचने के लिए अपने ट्रस्ट के नाम से 'धाम' शब्द हटाने का फैसला किया है, लेकिन वह यहां भक्तों के लिए मंदिर बनाने से पीछे नहीं हटेंगे। रौतेला ने पीटीआई-भाषा से कहा, हम केदारनाथ के मॉडल पर मंदिर बनाने वाले पहले लोग नहीं हैं। इंदौर और मुंबई में भी ऐसा मंदिर बनाया गया है। अगर वे (बीकेटीसी) कानूनी कार्रवाई करना चाहते हैं तो उन्हें सबके खिलाफ ऐसा करना चाहिए। उन्होंने कहा, हमने कुछ भी गलत नहीं किया है, हम हिंदुओं और सनातन धर्म के लिए अच्छा काम कर रहे हैं। हम कानूनी चुनौती के बावजूद मंदिर का निर्माण जारी रखेंगे। रौतेला ने बताया कि दिल्ली में केदारनाथ मंदिर उनके ट्रस्ट द्वारा एकत्र दान से बनाया जाएगा और अगले दो से तीन साल में यह बनकर तैयार हो जाएगा। बीकेटीसी के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने कहा कि उन्होंने उत्तराखंड में श्री केदारनाथ धाम दिल्ली ट्रस्ट के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें कथित तौर पर ऑनलाइन एप्लीकेशन का इस्तेमाल कर भक्तों को दिल्ली में केदारनाथ धाम के ऑनलाइन 'दर्शन' की व्यवस्था करने का वादा किया गया है।

केदारनाथ मंदिर से सोने की चोरी के आरोपों पर शंकराचार्य के समर्थक और मंदिर समिति प्रबंधन आमने-सामने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रुद्रप्रयाग/भाषा। केदारनाथ मंदिर के गर्भगृह से सोने की कथित चोरी संबंधी आरोपों पर श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति प्रबंधन और ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थक आमने-सामने आ गए हैं। मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने गर्भगृह से सोने की चोरी के आरोपों को बेबुनियाद और तथ्यहीन बताते हुए आरोप लगाने वालों से विवाद खड़ा करने की बजाय सक्षम स्तर पर मामले की जांच की मांग कराने का अनुरोध किया।

अजय ने इन आरोपों को 'षड्यंत्र' बताते हुए स्पष्ट किया कि दानदाता द्वारा केदारनाथ मंदिर के गर्भगृह को स्वर्णजड़ित करने की इच्छा प्रकट की गयी थी और उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए मंदिर समिति की बोर्ड बैठक में प्रस्ताव का परीक्षण कर उन्हें ऐसा करने की अनुमति दी गयी। उन्होंने कहा कि बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति अधिनियम-1939 में निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप ही दानदाता से दान स्वीकारा गया और इसके लिए विधिवत प्रदेश शासन से अनुमति ली गई।

मंदिर समिति के अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय पुरात्व सर्वेक्षण विभाग के विशेषज्ञों की देखरेख में गर्भगृह को स्वर्ण मंडित कराने का कार्य किया गया।

अजय ने यह भी स्पष्ट किया कि गर्भ गृह को स्वर्ण मंडित करने का कार्य दानदाता ने स्वयं किया और उन्होंने ही अपने स्तर से स्वर्णकार से तांबे की प्लेटें तैयार करवाईं और फिर उन पर सोने की परतें चढ़ाई गईं। उन्होंने कहा कि दानदाता ने अपने स्वर्णकार के माध्यम से ही इन प्लेटों को मंदिर में स्थापित भी कराया।

मंदिर समिति के अध्यक्ष ने कहा कि सोना खरीदने से लेकर दीवारों पर जड़ने तक का सम्पूर्ण कार्य दानी द्वारा कराया गया तथा मंदिर समिति की इसमें कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं थी। उन्होंने कहा कि कार्य होने के बाद दानदाता ने सभी आधिकारिक बिल एवं वाउचर मंदिर समिति को दे दिए थे, जिसके बाद नियमानुसार इसे स्टॉक बुक में दर्ज किया गया।

तटीय कर्नाटक में बारिश को लेकर 'रेड अलर्ट'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/सिरसी, 17 जुलाई (भाषा) दक्षिणी राज्यों में मानसून के सक्रिय होने और लगातार बारिश होने के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने तटीय कर्नाटक के लिए 'रेड अलर्ट' की मियाद 18 जुलाई तक के लिए बढ़ा दी है। दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में बारिश की तीव्रता कम हो गई है। इसके मद्देनजर आईएमडी ने इस क्षेत्र के लिए पूर्व में जारी 'रेड अलर्ट' को वापस ले लिया है लेकिन 20 जुलाई तक के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। तटीय कर्नाटक में भी 19 जुलाई के बाद बारिश की तीव्रता कम होने की उम्मीद है। मौसम विभाग का अनुमान है कि फिलहाल बारिश की तीव्रता 'ऑरेंज' श्रेणी में रहेगी।

इस बीच, उत्तर कन्नड़ जिले की उपायुक्त के. लक्ष्मी प्रिया ने बताया कि लगातार हो रही बारिश के कारण जिले में 16 जुलाई की शाम तक 26 राहत शिविर खोले गए हैं जिनमें कारवार तालुका में छह, कुमटा तालुका में छह और होन्नावर तालुका में 14 शिविर शामिल हैं। इनमें 2,368 लोगों ने आश्रय लिया है। उन्होंने बताया कि गत 24 घंटे के दौरान तीन मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए जबकि एक मकान गंभीर रूप से और 18 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। जिला उपायुक्त के मुताबिक कारवार तालुका में एक मकान के ढहने से उसकी चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौत हो गयी।

बारिश की वजह से चिक्कमंगलुरु और हासन जिले भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। श्रृंगेरी में पार्किंग क्षेत्र और श्रृंगेरी मंदिर की ओर जाने वाली सड़कें अब भी जलमग्न हैं, जिससे श्रद्धालुओं के लिए मंदिर जाना असंभव हो गया है। हासन जिले के सकलेशपुरा तालुका में माविनूर और कागिनेरे जैसे कई गांवों में बारिश के कारण अभी भी बिजली आपूर्ति बाधित है।

कर्नाटक में नौकरियों में आरक्षण

मंत्रियों ने फैसले का किया बचाव, उद्योग जगत ने बताया 'फासीवादी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने निजी क्षेत्र में कन्नड़ भाषियों को आरक्षण देने के अपने फैसले का बुधवार को बचाव किया जबकि उद्योग जगत के दिग्गजों ने प्रस्तावित आरक्षण पर आपत्ति जताई और इसे 'फासीवादी' तथा 'अदूरदर्शी' कदम करार दिया। राज्य मंत्रिमंडल ने सोमवार को कर्नाटक राज्य उद्योग, कारखाने और अन्य प्रतिष्ठानों में स्थानीय उम्मीदवारों को रोजगार देने संबंधी विधेयक, 2024 को मंजूरी दी थी। इसमें निजी कंपनियों के लिए अपने प्रतिष्ठानों में कन्नड़ भाषी लोगों को आरक्षण देना अनिवार्य करने का प्रावधान है। इस विधेयक को बृहस्पतिवार को विधानसभा में पेश किए जाने की संभावना है।

प्रस्तावित विधेयक के मुताबिक, किसी भी उद्योग, कारखाना या अन्य प्रतिष्ठानों में प्रबंधन स्तर पर 50 प्रतिशत और गैर प्रबंधन श्रेणी में 70 प्रतिशत आरक्षण स्थानीय लोगों को देना अनिवार्य होगा। इसमें कहा गया है कि यदि उम्मीदवार के पास कन्नड़ भाषा के साथ माध्यमिक विद्यालय का प्रमाणपत्र नहीं है, तो उन्हें 'नोडल एजेंसी' द्वारा आयोजित कन्नड़ प्रवीणता परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

प्रस्तावित विधेयक का स्वागत करते हुए उप मुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार ने कहा, कांग्रेस कर्नाटक की सत्ता में कन्नड़ भाषियों के सम्मान को कायम करने के लिए आई है, फिर चाहे वह निजी प्रतिष्ठानों के सूचना बोर्ड हो, कन्नड़ झंडा, कन्नड़ भाषा, संस्कृति, दस्तावेज या कन्नड़ भाषियों के लिए आरक्षण का प्रतिशत तय करना हो। राज्य के अवसंरचना, मध्य एवं भारी उद्योग मंत्री एम.बी.पाटिल ने भी विधेयक का समर्थन करते हुए कहा कि इसमें कोई शंका नहीं है , कर्नाटक में कन्नड़ भाषियों को नौकरी मिलनी चाहिए। हालांकि, उन्होंने रेखांकित किया के उद्योगों के हितों की भी रक्षा की जाएगी।

मंत्री के कार्यालय से जारी बयान में कहा गया, निजी क्षेत्र में कुछ पदों पर कन्नड़ भाषियों को 100 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। उद्योगों के हितों की भी रक्षा की जाएगी। उनके हवाले से कहा गया कि वह मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, आईटी-बीटी, कानून एवं श्रम मंत्रियों से भी चर्चा करेंगे ताकि विधेयक को लेकर किसी भ्रम को दूर किया जा सके।

उन्होंने कहा, सरकार कन्नड़ भाषियों के कौशल विकास पर काम करेगी। हम विनिर्माण क्षेत्र और औद्योगिक क्रांति के शानदार अवसर से चूक नहीं सकते हैं। हालांकि, उद्योग जगत ने इसकी आलोचना की है। चर्चित उद्यमी एवं इंफोसिस के पूर्व मुख्य वित्त अधिकारी टी.वी.मोहनदास पाई ने विधेयक को 'फासीवादी' करार दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी पोस्ट में कहा, इस विधेयक को रद्द कर देना चाहिए। यह पक्षपातपूर्ण, प्रतिगामी और संविधान के विरुद्ध है। अविश्वसनीय है कि कांग्रेस इस तरह का विधेयक लेकर आ आई है- एक सरकारी अधिकारी निजी क्षेत्र की भर्ती समितियों में बैठेगा? लोगों को भाषा की परीक्षा देनी होगी...?

फार्मा कंपनी 'बायोकॉन' की प्रबंध निदेशक किरण मजूमदार शॉ ने कहा, एक प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में हमें कुशल प्रतिभा की आवश्यकता है और हमारा उद्देश्य स्थानीय लोगों को रोजगार प्रदान करना है। हमें इस कदम से प्रौद्योगिकी में अपनी अग्रणी स्थिति को प्रभावित नहीं करना चाहिए...। एसोचैम की कर्नाटक इकाई के सह अध्यक्ष आर.के. मिश्रा ने 'एक्स' पर जारी पोस्ट में तंज कसते हुए कहा, कर्नाटक सरकार का एक और प्रतिभावान कदम। स्थानीय स्तर पर आरक्षण और हर कंपनी की निगरानी के लिए सरकारी अधिकारियों की नियुक्ति को अनिवार्य बनाना। इससे भारतीय आईटी और जीसीसी भयभीत होंगे। अदूरदर्शी।

कर्नाटक का यह कदम हरियाणा सरकार द्वारा पेश किए गए विधेयक जैसा ही है, जिसमें राज्य के निवासियों के लिए निजी क्षेत्र की नौकरियों में 75 प्रतिशत आरक्षण अनिवार्य किया गया था। हालांकि, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने 17 नवंबर 2023 को हरियाणा सरकार के फैसले को रद्द कर दिया था।

सिद्दरामय्या ने 'कन्नड भाषियों के लिए शत प्रतिशत आरक्षण' संबंधी पोस्ट हटाई

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को निजी क्षेत्र की नौकरियों में कन्नड़ भाषियों को शत-प्रतिशत आरक्षण देने को लेकर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी अपनी पोस्ट को हटा लिया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच पर एक अन्य पोस्ट कर बताया कि मंत्रिमंडल ने राज्य के निजी उद्योगों और अन्य संस्थानों के प्रशासनिक पदों में 50 प्रतिशत और गैर प्रशासनिक पदों में 75 प्रतिशत आरक्षण कन्नड़ भाषियों को देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। सिद्दरामय्या ने कहा, हमारी सरकार की इच्छा है कि कन्नड भाषियों को अपनी मातृभूमि में सुगम जीवन जीने का अवसर दिया जाए।

कर्नाटक सरकार के आरक्षण बिल पर भड़की भाजपा, कहा- इसकी कोई जरूरत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बीजेपी के वरिष्ठ नेता डॉ अश्वथ नारायण ने कन्नड आरक्षण को लेकर मचे सियासी बवाल के बीच बड़ा बयान दिया है। उन्होंने सरकार के इस कदम को राजनीतिक ड्रामा बताते हुए कहा कि एक भ्रष्ट सरकार ऐसा कर सिर्फ और सिर्फ अपने राजनीतिक हित साधने का प्रयास कर रही है। सच्चाई यह है कि सरकार को जनता के हितों से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने आगे कहा, यह सरकार अब राज्य में नए राजनीतिक ड्रामा की शुरुआत कर रही है, लेकिन मैं एक बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि इससे मौजूदा सरकार को कोई खास फायदा होने वाला नहीं है। यह सरकार ड्रामा करने के मूड में आ चुकी है।

राज्य सरकार की कार्यशैली से यह साफ जाहिर हो रहा है कि यह अक्षम और अकुशल सरकार है। इस सरकार को जनता के हितों से कोई लेना-देना नहीं है। यह लोग जनता के विरुद्ध काम कर रहे हैं। सरकार सभी निजी कंपनियों में कन्नड लोगों को विशेष आरक्षण देने के मकसद से यह बिल लेकर आई है, लेकिन मैं एक बात पर सभी का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं कि हर राज्य की अपनी रोजगार शैली होती है, जिसके अनरूप सभी को कार्य करना होता है।

वहीं, जब उनसे पूछा गया कि क्या मौजूदा वक्त में इस बिल की जरूरत है? इस पर उन्होंने कहा, मैंने आपको बताया ना कि यह सिर्फ और सिर्फ राजनीतिक ड्रामा है और इसके अलावा कुछ भी नहीं। मैं एक बात फिर से एक बात स्पष्ट करना चाहता हूं कि इससे कुछ खास होने वाला नहीं है। सरकार इस कदम के जरिए अपने लिए एक नए राजनीतिक मुद्दे को जन्म देने का प्रयास कर रही है, लेकिन इस सरकार को इससे कोई खास फायदा होने वाला नहीं हैं। उन्होंने मौजूदा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। यह सरकार पूरी तरह से भ्रष्ट है, जिसे जनता के हितों से कोई लेना देना नहीं है। बता दें कि बीते दिनों कर्नाटक सरकार ने ग्रुप सी और ग्रुप डी में निजी कंपनियों में नौकरी के लिए राज्य के मूल निवासियों के लिए 100 फीसद आरक्षण का मार्ग प्रशस्त करने के मकसद से विधेयक को मंजूरी दे दी है।

इस विधेयक को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। बीजेपी जहां इसका विरोध कर रही है, तो वहीं सत्तारूढ़ दल इसकी पैरोकारी करते हुए इसे मौजूदा समय के लिए जरूरी बता रही है। सोमवार को इस संबंध में मंत्रिमंडल की बैठक भी हुई थी। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने इस संबंध में सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर पोस्ट किया। इसमें उन्होंने कहा, कल हुई मंत्रिमंडल की बैठक में राज्य के सभी निजी उद्योगों में 'सी और डी' ग्रेड के पदों पर 100 प्रतिशत कन्नड़ लोगों की भर्ती अनिवार्य करने वाले विधेयक को मंजूरी दी गई।

ट्रायल रन

ब्रांड बेंगलूरु योजना के तहत शहर की ट्रैफिक समस्या को नये मॉडल में नियंत्रित करने के लिए 450 करोड़ रुपयेलागत से निर्मित दक्षिण भारत के पहले डबल डेकर फ्लाईओवर का बुधवार को ट्रायल रन शुरू किया गया।

मंगलूरु सेंट्रल को अगले तीन वर्षों में विश्वस्तरीय रेलवे स्टेशन बनाया जाएगा : रेल राज्य मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्यमंत्री वी. सोमन्ना ने बुधवार को यहां कहा कि दक्षिण रेलवे के मंगलुरु सेंट्रल रेलवे स्टेशन को लगभग 250 से 300 करोड़ रुपये की लागत से अगले तीन वर्षों में विश्वस्तरीय रेलवे स्टेशन बनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि मंगलुरु सेंट्रल रेलवे स्टेशन आने वाले यात्रियों के लिए स्काईवॉक, लिफ्ट, एस्कलेटर, आधुनिक कैंटीन, आधुनिक पार्किंग के अलावा दो प्रवेश द्वार की भी व्यवस्था की जायेगी।

दो दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे केंद्रीय मंत्री सोमन्ना ने कहा कि मंगलुरु सेंट्रल रेलवे स्टेशन को विश्वस्तरीय बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार कर लिया गया है, जिसे स्थानीय जन प्रतिनिधियों से चर्चा के बाद रेल मंत्रालय में स्वीकृति के लिए भेजा जायेगा और अगले माह तक इस योजना के स्वीकृत हो जाने की संभावना है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि मंगलुरु सेंट्रल रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण का पूरा काम निविदा प्रक्रिया के बाद तीन वर्ष के भीतर पूर्ण कर लिया जायेगा। रेल अधिकारियों के साथ रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करने के बाद मंत्री ने कहा कि फिलहाल मंगलुरु सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर प्रवेश का एक ही मार्ग है लेकिन अब रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए इस स्टेशन पर प्रवेश के लिए एक और मार्ग विकसित करने का निर्णय लिया है।

भारी बारिश से तुंगा नदी में उफान, श्रृंगेरी मठ ने श्रद्धालुओं से सतर्क रहने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिणाम्नाय श्री शारदा पीठम ने तुंगा नदी का पानी खतरे के निशान से ऊपर बहने के कारण श्रद्धालुओं से सावधानी बरतने की अपील की है। दक्षिणाम्नाय श्री शारदा पीठम को श्रृंगेरी मठ के नाम से भी जाना जाता है।

यह कर्नाटक के चिकमगलूर जिले में स्थित है। पीठम ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने आधिकारिक हैंडल से एक पोस्ट कर कहा श्रद्धालुओं को सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है और उनसे नदी के तटों से दूर रहने का आग्रह किया जाता है।

मौसम विभाग के अनुसार, 15 जुलाई को श्रृंगेरी में 190 मिमी बारिश हुई। हालाँकि विशेषज्ञों ने रविवार तक बारिश की तीव्रता कम होने की उम्मीद जताई है। खुद को कर्नाटक के घाट बताने वाले एक व्यक्ति ने 'एक्स' पर बताया कि कई गांवों को श्रृंगेरी से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण सड़क पानी में डूबी हुई है। इस व्यक्ति ने एक वीडियो भी साझा किया। एक अन्य 'एक्स' उपयोगकर्ता नवीन रेड्डी ने अपने वीडियो में मंदिर परिसर के आसपास भरा पानी दिखाया। उसने लिखा पार्किंग क्षेत्र पूरी तरह से जलमग्न है।

चावल चोरी के मामले में भाजपा नेता मणिकांत राठौड़ गिरफ्तार

कलबुर्गी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता मणिकांत राठौड़ को अन्न भाग्य योजना के लिए निर्धारित चावल की चोरी करने के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। शाहपुर पुलिस ने राठौड़ को जिला मुख्यालय कलबुर्गी स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया। सूत्रों ने बताया, ''मणिकांत को यादगीर जिले के शाहपुर में एक सरकारी गोदाम से दो करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 6077 क्विंटल चावल की चोरी के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है।''

भाजपा नेता को पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन उन्होंने पूछताछ की अनदेखी की। इसके चलते पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। राठौड़ ने 2023 का विधानसभा चुनाव भाजपा के टिकट पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पुत्र प्रियांक खड़गे के खिलाफ लड़ा था और वह हार गए थे।

केरल के उत्तर कन्नड़ जिले में भूस्खलन स्थल पर खोज अभियान फिर शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उत्तर कन्नड़ जिले के शिरूर गांव के समीप एक दिन पहले भीषण भूस्खलन में चार लोगों की मौत होने के बाद, बुधवार की सुबह फिर से खोज एवं बचाव अभियान चलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर वाहनों के आवागमन पर अस्थायी रोक लगा दी गई है। भूस्खलन यहीं हुआ था। स्थानीय पुलिस, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं और अन्य एजेंसियों के अधिकारियों द्वारा बारिश के बीच चलाए गए गहन बचाव एवं खोज अभियान के बाद मंगलवार की शाम तक चार शव निकाले गए।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, ''अभी तक चार शव बरामद हुए और उनकी पहचान कर ली गई है। सुबह से तलाशी अभियान फिर से शुरू किया गया है।'' चारों मृतक राष्ट्रीय राजमार्ग पर भोजनालय चलाने वाले एक ही परिवार के थे।

घटना के बाद राज्य सरकार ने कहा था कि चाय पीने के लिए चालकों ने तीन गैस टैंकर को रेस्तरां में रोका था, तभी पहाड़ी से मलबा और पत्थर गिरने लगे। लगातार बारिश के कारण हुए भूस्खलन में, तीन में से दो टैंकर सड़क के दूसरी ओर गंगावली नदी में बह गए। राज्य सरकार के अनुसार, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने राष्ट्रीय राजमार्ग 66 का निर्माण करते समय ''पहाड़ी को 45 डिग्री ढलान के बजाय खड़े ढलान पर काट दिया, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई।'' इस बीच भारी बारिश से पहाड़ियों से पत्थर गिरने और सड़क को हुए गंभीर नुकसान के कारण चिकमंगलुरु तालुक के सीतालयानागिरी-मुल्लायानागिरी क्षेत्र में 22 जुलाई तक वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

भयभीत या आशंकित होने की आवश्यकता नहीं : एमबी पाटिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के अवसंरचना विकास, मध्यम एवं भारी उद्योग मंत्री एम.बी.पाटिल ने बुधवार को कहा कि सरकार कन्नड़ भाषियों के साथ-साथ उद्योगों के हितों की रक्षा करने के लिए विस्तृत चर्चा करेगी। मंत्री ने प्रस्तावित कर्नाटक राज्य स्थानीय उद्योग कारखाना स्थापना अधिनियम विधेयक, 2024 के संबंध में व्यवसायिक दिग्गजों और उद्योगपतियों की चिंताओं को दूर करने के लिए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' का सहारा लिया। प्रस्तावित विधेयक में 'सी' और 'डी' श्रेणी की नौकरियों में कन्नड़ भाषियों के लिए आरक्षण अनिवार्य करने का प्रस्ताव है। मंत्री ने रेखांकित किया कि भारत वर्तमान में वैश्विक 'चाइना प्लस वन' नीति से प्रेरित विनिर्माण और औद्योगिक क्रांति का अनुभव कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रतिस्पर्धी युग में, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और तेलंगाना जैसे राज्य अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास कर रहे हैं और ऐसे में सभी राज्यों के लिए प्रतिस्पर्धा में आगे रहना अत्यंत महत्वपूर्ण है। पाटिल ने कहा, कन्नड़ भाषियों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए, मैं इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, आईटी-बीटी मंत्री, कानून मंत्री और श्रम मंत्री के साथ चर्चा करूंगा। हम व्यापक विचार-विमर्श करेंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उद्योगों के साथ-साथ कन्नड़ भाषियों के हितों की भी रक्षा की जाए।

उन्होंने कहा, कर्नाटक एक प्रगतिशील राज्य है और हम सदी में एक बार होने वाली इस औद्योगिकीकरण की दौड़ में हारने का जोखिम नहीं उठा सकते। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी के हितों की रक्षा हो। उद्योगों को आश्वस्त किया जाता है कि उन्हें किसी भी तरह का डर या आशंका रखने की जरूरत नहीं है और वे निश्चिंत रह सकते हैं।

श्रुति हेगड़े ने मिस यूनिवर्सल पटीट का खिताब जीत भारत का नाम रोशन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के एक छोटे से शहर हुबली से संबंध रखने वाली श्रुति हेगड़े ने 'मिस यूनिवर्सल पटीट' का खिताब जीतकर भारत का नाम रोशन किया है। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि आप एक अस्पताल में 36 घंटे काम करें और फिर अगले दिन चुस्त-दुरुस्त होकर ब्यूटी क्वीन प्रतियोगिता में भाग लेने पहुंच जाएं। हेगड़े ने कुछ ऐसा ही किया। पेशे से चिकित्सक हेगड़े 2018 से ही इसके लिए तैयारी कर रही थीं और उनकी यह मेहनत रंग लाई।

एक महीने से कुछ समय पहले 10 जून को श्रुति हेगड़े भारत की पहली 'मिस यूनिवर्सल पटीट' बनीं। साल 2009 से दिए जा रहा यह खिताब निर्धारित मानकों से छोटे कद की महिलाओं के लिए विश्व सुंदरी बनने का एक मौका देता है। 'मिस यूनिवर्सल पटीट' प्रतियोगिता हर साल अमेरिका के फ्लोरिडा में स्थित टेम्पा में आयोजित की जाती है।

हेगड़े ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, यह आसान तो बिल्कुल नहीं था। मुझे एहसास हुआ कि एक चिकित्सक होने के नाते आपके पास उससे ज्यादा काम होता है, जितना मैंने शुरुआत में सोचा था। हां, कई बार तो यह (काम) बहुत ज्यादा हो जाता है। लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैं किसी एक पर दूसरे को तरजीह दूंगी। इसके बजाय मैं दोनों के बीच तालमेल बनाना चाहूंगी। हेगड़े ने कहा कि जब उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने का फैसला किया तो जीतने के बारे में ज्यादा नहीं सोचा था। उन्होंने कहा, मैं हमेशा से कुछ नया करने की सोचती रही हूं। और मुझे लगता है कि यह (सुंदरी बनना) हर छोटे शहर की लड़की का सपना होगा। लिहाजा, मैंने सोचा कि एक बार इसमें हाथ आजमाना चाहिए। मुझसे ज्यादा मेरी मां को लगता है कि मुझे वही करना चाहिए जो मैं चाहती हूं और इससे मुझे काफी मदद मिली। डर्मेटोलॉजी में एमडी की पढ़ाई कर रहीं और बेंगलुरु से लगभग 70 किलोमीटर दूर स्थित तुमकुरु के एक अस्पताल में इंटर्न के तौर पर काम करने वाली हेगड़े ने कहा, प्रतियोगिता के दौरान, मुझे एहसास हुआ कि मैं जीवन के कई सबक भी सीख रही हूं - ऐसे सबक जो मुझे एक बेहतर इंसान बनने और किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए अच्छी तरह तैयार होने में मदद करेंगे।

बगीना

सांसद बीवाई राघवेंद्र और विधायक बीवाई विजयेंद्र ने बुधवार को शिवमोग्गा जिले में अंजनापुरा बांध को बगिना की पेशकश की।

मानवीय मूल्यों के उत्थान और विकास में संतों का महान योगदान : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसी भी प्रदेश की समग्र उन्नति का आकलन केवल भौतिक विकास से ही नहीं, बल्कि वहां के नागरिकों में मानवीय मूल्यों और विचारों की समृद्धता से भी होता है। उन्होंने कहा कि भौतिकवाद से आध्यात्मवाद की ओर बढ़ने पर हमारे आचरण और विचार समाज के प्रति बदलते हैं और हम समाज, देश और राष्ट्र के लिए समर्पित भाव से कार्य कर पाते हैं।

शर्मा बुधवार को डीडवाना-कुचामन जिले के लाडनूं स्थित जैन विश्व भारती में सुधर्मा सभा प्रवचन स्थल के शिलान्यास कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मानवीय मूल्यों के उत्थान एवं विकास में संतों का महान योगदान रहा है। भारत भूमि ने ऐसे लोगों को जन्म दिया है जो युग के साथ नहीं बहे बल्कि युग को अपने बहाव के साथ ले गए। आचार्यतुलसी ऐसे ही महापुरुष थे। उन्होंने अणुव्रत आंदोलन के जरिये मानव धर्म का व्यावहारिक स्वरूप लोगों के सामने रखा तथा समाज को अंधविश्वास, रूढ़िवादिता और पूर्वाग्रह से मुक्त किया। शर्मा ने कहा कि आचार्यने भौतिकवाद की तरफ बढ़ते मानव को अध्यात्मवाद की तरफ मोड़ा। मानव समाज की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना का जागरण करना उनके जीवन का परम लक्ष्य था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आचार्यमहाप्रज्ञ का देश के हिंदी साहित्यकारों में प्रमुख स्थान है। उन्होंने कहा कि आचार्यमहाश्रमण जी की सहजता एवं पवित्रता से उनमें महात्मा का दर्शन होता है। उनके आध्यात्मिक संरक्षण में जैन विश्व भारती विकास की ओर निरंतर गतिमान है। शर्मा ने कहा कि आचार्यमहाश्रमण जी द्वारा वर्ष 2026 में एक वर्षीय योगक्षेम वर्ष के लिए जैन विश्व भारती के पवित्र स्थान पर प्रवास करना सम्पूर्ण प्रदेश के लिए मंगलकारी होगा।

शर्मा ने कहा कि भारत एक समय शिक्षा का महान केंद्र था। यहां नालंदा जैसे विश्वविद्यालयों में देश-विदेश के

शिक्षार्थी शिक्षा प्राप्त करते थे। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नालंदा विश्वविद्यालय को नया जीवन देकर पुरातन संस्कृति का वैभव बहाल करने का काम किया है। जैन विश्व भारती राजस्थान का उल्लेख करते हुए शर्मा ने कहा कि यह संस्थान अपने सात सूत्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए लगातार गतिशील है। शिक्षा, साहित्य, साधना, शोध, संस्कृति, सेवा जैसे उद्देश्यों की प्राप्ति व मानव कल्याण की भावना इस संस्था के मूल में है। उन्होंने कहा कि ध्यान, योग, जैन विद्या, राजस्थानी लिपि, प्राकृत भाषा आदि के अध्यापन के लिए समर्पित एकमात्र विश्वविद्यालय है। यहां शोध अनुसंधान जैसे कार्य एक गुरुकुलवास के वातावरण में किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्थान के पवित्र परिसर में उन्हें कुछ समय बिताने का अवसर मिला था। उस अवधि में उन्हें जो दिव्य अनुभूति हुई, उसे शब्दों में कहा नहीं जा सकता।

शिलान्यास कार्यक्रम में केन्द्रीय कानून एवं न्याय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा जैन विश्व भारती संस्थान के कुलाधिपति अर्जुनराम मेघवाल ने अणुव्रत पर प्रकाश डाला और कहा कि इसकी स्थापना करने वाले आचार्यतुलसी ने समाज की कुरीतियों को दूर करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि जैन विश्व भारती मानव कल्याण के लिए समर्पित संस्थान है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मुनिजयकुमार का आशीर्वाद लिया और जैन विश्व भारती परिसर में वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार, राजस्व राज्यमंत्री विजय सिंह, राज्य किसान आयोग के अध्यक्ष सी. आर. चौधरी, विधायक लक्ष्मणराम कलरु, पूर्व सांसद डॉ. ज्योति मिर्धा, जैन विश्व भारती के अध्यक्ष अमरचंद लुंकड़, जैन विश्व भारती संस्थान के कुलपति प्रो. बच्छराज दुगड़ सहित संत-महात्मा, जैन समाज के गणमान्य लोग एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। राज्यपाल कलराज मिश्र बुधवार को मोती डूंगरी गणेश मंदिर पहुंचे। उन्होंने वहां भगवान गणेश के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की।

हेड कांस्टेबल रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के डूंगरपुर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार को पुलिस हेड कांस्टेबल को सात हजार रुपए कथित तौर पर रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। एक बयान में यह जानकारी दी गयी। ब्यूरो के बयान के अनुसार, चौरासी थाना में तैनात हेड कांस्टेबल कारूलाल यादव को गिरफ्तार किया गया। बयान के अनुसार, पीड़ित ने ब्यूरो में शिकायत दी थी कि आरोपी हेड कांस्टेबल एक मुकदमें में मदद करने की एवज में उनसे 10 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा है। ब्यूरो की टीम ने शिकायत का सत्यापन कर बुधवार को आरोपी को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। बयान के मुताबिक, मामले की जांच की जा रही है।

केंद्र सरकार को आतंकवादी हमलों पर लगाम लगाने के लिए गंभीरता से करने चाहिए प्रयास : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने जम्मू कश्मीर में आतंकवादी हमलों की संख्या में बढ़ोत्तरी, वीर जवानों एवं निर्दोष नागरिकों की हत्याओं को बेहद दुखद बताते हुए कहा है कि केन्द्र सरकार को जम्मू कश्मीर में शांति स्थापित करने एवं आतंकवादी हमलों पर लगाम लगाने के लिए गंभीरता से प्रयास करने चाहिए। गहलोत ने बुधवार को अपने बयान में यह बात कही। उन्होंने कहा कि पिछले 39 दिनों में नौ आतंकवादी हमलों में 12 जवान शहीद हो चुके हैं एवं 10 निर्दोष नागरिकों की जान जा चुकी हैं। चिंता की बात यह है कि अब कश्मीर के बाहर जम्मू के शांत क्षेत्र में भी आतंकवादी पहुंचकर सेना पर हमला करने की हिमाकत कर रहे हैं।

रुद्राक्ष हत्या मामले में जेल में बंद कैदी ने खुद को गोली मारी

जयपुर। कोटा के बहुचर्चित रुद्राक्ष अपहरण व हत्या मामले में सजा काट रहे एक कैदी ने जयपुर की सांगानेर खुली जेल में खुद को गोली मार कर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि कैदी अंकुर पाडिया ने रिवाल्वर से खुद को गोली मारकर आत्महत्या की है। मालपुरा गेट पुलिस थाने के थानाधिकारी हेमंत सिंह ने बताया कि मामले में न्यायिक जांच के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि घटना मंगलवार शाम की है। शव को पोस्टमार्टम के लिए महात्मा गांधी अस्पताल में रखा गया है। कोटा में 2014 में सात वर्षीय बालक रुद्राक्ष का अपहरण कर हत्या उसकी हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे अंकुर पाडिया को कुछ समय पहले बीकानेर जेल से खुली जेल में स्थानांतरित किया गया था। फरवरी 2018 में कोटा की एक अदालत ने उसे मौत की सजा सुनाई थी। उच्च न्यायालय ने मार्च 2021 में दोषी की मौत की सजा को इस शर्त के साथ उम्रकैद में बदल दिया था कि वह 25 साल तक कारावास में रहेगा।

'सर तन से जुदा' नारा लगाने के मामले में खादिम सहित छह आरोपी बरी हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अजमेर की एक अदालत ने 2022 में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह के दरवाजे के सामने 'तन सर से जुदा' के विवादास्पद नारे लगाने के आरोपी सभी छह लोगों को मंगलवार को बरी कर दिया। यह नारा निलंबित भाजपा नेता नुपुर शर्मा द्वारा 2022 में पैगंबर के खिलाफ की गयी कथित अपमानजनक टिप्पणी के बाद लगाया गया था।

सरकारी वकील गुलाम नजमी फारूकी ने बताया कि अदालत ने खादिम (सेवक) गौहर चिश्ती, ताजिम सिद्दीकी, फारूक जमाली, नासिर, रियाज हसन और मोईन को आज बरी कर दिया। उन्होंने कहा कि विस्तृत आदेश के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि अदालत ने किस आधार पर उन्हें बरी किया है।

फारूकी ने कहा कि आरोपियों को सभी आरोपों से बरी कर दिया गया है तथा अब आदेश की समीक्षा करने के बाद फैसले के खिलाफ अपील की जाएगी। इस मामले की सुनवाई अजमेर के अतिरिक्त जिला न्यायाधीश (क्रमांक चार) की अदालत में चल रही थी। फारूकी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ अजमेर के दरगाह थाने में गैरकानूनी तरीके से एकत्र होने, दंगा करने,शांति भंग करने के लिए उकसाने समेत कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

दरगाह थाने के एक कांस्टेबल द्वारा दर्ज प्राथमिकी में उल्लेख किया गया है कि गौहर ने धार्मिक स्थल से लाउडस्पीकर पर गुस्ताखी ए नबी की एक ही सजा, सर तन से जुदा, सर तन से जुदा का नारा लगाकर लोगों को भड़काया था। गौहर चिश्ती पर 17 जून, 2022 को शर्मा की टिप्पणी के खिलाफ मुस्लिम समुदाय की एक रैली से ठीक पहले दरगाह के मुख्य द्वार निजाम गेट से पुलिस की मौजूदगी में नफरत फैलाने वाला भाषण देने का आरोप है। नुपुर शर्मा के कथित विवादास्पद बयान के विरोध में रैली या मौन जुलूस का आयोजन किया गया था। मुख्य आरोपी गौहर को जुलाई 2022 में हैदराबाद से गिरफ्तार किया गया था। नारेबाजी के वीडियो और ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए थे।

अदालत के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य ने कहा कि कमजोर अभियोजन के कारण आरोपियों को बरी किया गया और सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आरोपियों को सजा मिले। उन्होंने सरकार से फैसले के खिलाफ अपील दायर करने की मांग की।

अजमेर नगर निगम के उप महापौर नीरज जैन ने कहा, पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के शासनकाल में जांच की गई और आरोप पत्र दाखिल किया गया । पिछली सरकार के समय 'खराब' जांच और मजबूत अभियोजन की कमी के कारण आरोपियों को बरी कर दिया गया। सरकारी वकील ने कहा कि भाषण के इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के अलावा चश्मदीद गवाहों की भी जांच की गई। उन्होंने दावा किया कि 17 जून 2022 को दरगाह के बाहर लगाए गए विवादित नारे के बाद ही 28 जून को उदयपुर में दर्जी कन्हैया लाल की हत्या कर दी गई थी। कन्हैया लाल की दो लोगों ने हत्या कर दी क्योंकि उन्होंने सोशल मीडिया पर कथित तौर पर इस्लाम का अपमान किया था।

ईडी ने राजस्थान के जल जीवन मिशन मामले में कथित बिचौलिए को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रवर्तन निदेशालय ने राजस्थान में जल जीवन मिशन योजना को लागू करने में कथित अनियमितताओं से संबंधित धनशोधन जांच के सिलसिले में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि कथित बिचौलिए संजय बड़ाया से मंगलवार को यहां एजेंसी कार्यालय में पूछताछ की गई थी जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। केंद्र सरकार के जल जीवन मिशन (जेजेएम) का उद्देश्य नल के माध्यम से स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना है और राजस्थान में इसे राज्य के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी (पीएचई) विभाग द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।

इस मामले में यह चौथी गिरफ्तारी है। केंद्रीय एजेंसी इससे पहले तीन लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है जिनमें गणपति ट्यूबवेल कंपनी के मालिक महेश मित्तल, श्याम ट्यूबवेल कंपनी के मालिक पदमचंद जैन और एक अन्य व्यक्ति पीयूष जैन शामिल हैं।

एजेंसी की जांच में पाया गया कि पदमचंद जैन, महेश मित्तल, पीयूष जैन और अन्य लोग पीएचईडी से विभिन्न निविदाएं हासिल करने, बिल की स्वीकृति से लेकर ठेका मिलने के बाद किए गए काम को छिपाने के लिए सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने में शामिल थे। एजेंसी ने दावा किया कि संदिग्ध अपने ठेकों/अनुबंधों में उपयोग करने के लिए हरियाणा से 'चोरी' का सामान खरीदने में भी शामिल थे और उन्होंने पीएचईडी के अनुबंध प्राप्त करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम इरकॉन के 'फर्जी' कार्य समापन पत्र भी जमा किए थे। ईडी का धनशोधन मामला भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा दर्ज की गई एक प्राथमिकी पर आधारित है जिसमें पदमचंद जैन, महेश मित्तल, पीयूष जैन और अन्य पर आरोप लगाए गए हैं। जांच के सिलसिले में ईडी ने पीएचई विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, राजस्थान के पूर्व मंत्री महेश जोशी और पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव सुबोध अग्रवाल के आवासीय और आधिकारिक परिसर की तलाशी ली थी।

डोडा में शहीद हुए झुंझुनू के जवानों का पैतृक गांव में राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झुंझुनू। जम्मू-कश्मीर के डोडा में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ के दौरान शहीद हुए झुंझुनू के जवानों का पैतृक गांव में राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार किया गया है। शहीदों के सम्मान में पैतृक गांव तक तिरंगा यात्रा निकाली गई, हज़ारों लोग तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। राजस्थान के मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ ने डोडा मुठभेड़ में शहीद हुए सिपाही अजय सिंह नरूका को श्रद्धांजलि दी। शहीद अजय सिंह का पूरा परिवार सेना से जुड़ा है। उनके पिता कमल सिंह भी सेना में 24 राजपूत रेजिमेंट में कार्यरत थे, जो 2015 में ही रिटायर हुए हैं, जबकि चाचा कायम सिंह वर्तमान में सेना की 23 राजपूत रेजीमेंट में सेवाएं दे रहे हैं। कायम सिंह को पिछले साल सेना मेडल से नवाजा गया था। पिता के सेना में होने पर ही अजय सिंह को भी बचपन से ही आर्मी में जाना था।

शहीद अजय सिंह का विवाह 2021 में अगवाना निवासी शालू कंवर के साथ हुआ था। अजय सिंह का छोटा भाई करणवीर सिंह (24) बठिंडा (पंजाब) के एम्स में डॉक्टर है। पत्नी शालू कंवर ने इसी साल चिड़ावा के कॉलेज से एमएससी क्लियर किया है। शहीद अजय सिंह का परिवार पिलानी के हरिनगर में रहता है। आतंकी हमले में शहीद होने वाले जिले के दोनों जवान एक साथ भर्ती हुए थे और अब शहीद भी एक साथ हुए हैं। अजय सिंह नरूका अपने पिता के कोटे और बिजेंद्र सिंह दौयता अपने सैनिक भाई के कोटे से 2018 में फतेहगढ़ से भर्ती हुए थे। दोनों जवान 10 राष्ट्रीय राइफल्स में तैनात थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने सीएम भजनलाल शर्मा से मुलाकात की, बजट में दी गई सौगातों के लिए दिया धन्यवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी ने आज बुधवार को मुख्यमंत्री आवास पर पहुंचकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की और बजट में प्रदेश और चित्तौड़गढ़ लोकसभा क्षेत्र को दी गई सौगातों के लिए आभार जताया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि चित्तौड़गढ़ लोकसभा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों, कार्यकर्ता और स्थानीय जनता की मांग के आधार पर मुख्यमंत्री ने यह सौगात दी है। चित्तौड़गढ़ के परिवर्तित बजट में राजस्थान सरकार द्वारा भदेसर व चित्तौड़गढ़ बाईपास निर्माण के लिए 88 करोड़ 50 लाख रुपये, नारेला से भोपालसागर वाया भीमगढ़-राशमी - हरनाथपुरा सड़क के शेष कार्य भीमगढ़ बाईपास व हरनाथपुरा बाईपास (कपासन) -चित्तौड़गढ़ के लिए 22 करोड़ 40 लाख रुपये, कपासन से दरिबा माईन्स वाया मालीखेड़ा- कानाखेड़ा -उसरोल-लुणेरा-कोटड़ी सड़क (30 किमी.) -चित्तौड़गढ़ के लिए 50 करोड़ रुपये, राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-113 मुख्य सड़क से गांव महुड़िया-बागदरी तक सड़क निर्माण (5.20 किमी.) (निम्बाहेड़ा)-चित्तौड़गढ़ के लिए 5 करोड़ रुपये, निम्बाहेड़ा से मंगलवाड फोर लेन सड़क निर्माण कार्य (41किमी.) (निम्बाहेड़ा, चित्तौड़गढ़) के लिए 325 करोड़ रुपये, अमरपुरा चौराहे से बांसी होते हुए जिला सीमा तक चित्तौड़गढ़ के लिए 10 करोड़ रुपये, 132 केवी जीएसएस- भादसोडा (कपासन)-चित्तौड़गढ, ब्राह्मणी नदी (बेगूं)-चित्तौड़गढ़ के रिवर फ्रन्ट एवं सौन्दर्यीकरण कार्य, नवीन महाविद्यालय-भदेसर-

चित्तौड़गढ, कपासन-चित्तौड़गढ़ में इंडौर स्टेडियम निर्माण, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों से उप जिला चिकित्सालयों में क्रमोन्नयन- छोटी सादड़ी-प्रतापगढ, उप स्वास्थ्य केन्द्रों से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में क्रमोन्नयन-भीमगढ , आक्या-चित्तौड़गढ़, नकोंर (धमोतर)-प्रतापगढ़, ट्रोमा सेंटर-फतहनगर व मावली- चित्तौड़गढ़ के मध्य, बागोलिया बांध फीडर निर्माण कार्य (मावली)-चित्तौड़गढ़ 190 करोड़ रुपये, निम्बाहेड़ा-चित्तौड़गढ़ में निम्बोदा लघु सिंचाई परियोजना का कार्य 20 करोड़ रुपये, प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालयों का बहुउद्देशीय पशु चिकित्सालयों में क्रमोन्नयन- बड़ी सादड़ी-चित्तौड़गढ़, पशु चिकित्सालयों का प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालयों में क्रमोन्नयन-चिकारडा- चित्तौड़गढ़ एवं अतिरिक्त जिला एवं सैशन न्यायालय-छोटी सादड़ी-प्रतापगढ सहित अनेक कार्य स्वीकृत हुए है।

डिग्गी कल्याणजी यात्रा से पहले सड़क मार्ग करें दुरुस्त : दीया कुमारी

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने धार्मिक नगरी डिग्गी में अगले महीने में शुरू होने वाले 59वें लक्खी मेले और पदयात्रा से पूर्व मंदिर की और जाने वाली सभी सड़कों को दुरुस्त कराने के निर्देश दिए हैं ताकि पदयात्रियों सहित अन्य श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नहीं हों। श्रीमती दीया कुमारी ने कहा कि मंदिर की और जाने वाली सार्वजनिक निर्माण विभाग की सभी सड़कें जो बरसात के कारण यदि सड़क खराब हो गयी हैं तो विभाग उन्हें तत्काल ठीक करवाएगा ताकि पदयात्रियों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। परियोजना निदेशक आरएसआरडीसी यूनिट टोंक ने बताया की जयपुर भीलवाड़ा स्टेट हाईवे सड़क के पेच मरम्मत के लिए प्रस्ताव बनाकर मुख्यालय भिजवा कर निविदा पूर्ण कर ली गई है और जल्द ही कार्य आदेश जारी करके इसके पेचवर्क कार्य पूर्ण करवा दिया जाएगा । इसी प्रकार देवली केकड़ी मालपुरा सड़क तथा डिग्गी -सोहेला सड़क (सोहेला से बोराखंडी तक) गारंटी अवधि में होने के कारण इनकी मरम्मत संबंधित संवेदक से करवायी जायेगी । इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए गए है इसे शीघ्र ही पूरा करवा दिया जाएगा। इसी प्रकार मालपुरा से पिपणी सड़क के पेंच वर्क मरम्मत का कार्य भी जल्द पूरा कर लिया जाएगा ताकि श्रद्धालुओं को कोई परेशानी ना हो।

पूजा अर्चना

राज्यपाल कलराज मिश्र बुधवार को मोती डूंगरी गणेश मंदिर पहुंचे। उन्होंने वहां भगवान श्री गणेश के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की। राज्यपाल मिश्र ने श्री गणेश की आराधना कर प्रदेशवासियों की मंगल और खुशहाली की कामना की।

'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' के तहत 84 से अधिक बच्चों को बचाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने पिछले सात वर्षों में 'नन्हे फरिश्ते' अभियान में पिछले सात वर्षों में 84 हजार से अधिक बच्चों को बचाया हैं। रेलवे के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार पिछले सात वर्षों (2018-मई 2024) के दौरान आरपीएफ ने स्टेशनों और ट्रेनों में खतरे में पड़े या खतरे में पड़ने से 84 हजार 119 बच्चों को बचाया है। वर्ष 2018 में 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' की महत्वपूर्ण शुरुआत हुई।

इस वर्ष आरपीएफ ने 17 हजार 112 पीड़ित बच्चों को बचाया, जिनमें लड़के और लड़कियां दोनों शामिल हैं। बचाए गए इन बच्चों में से 13 हजार 187 बच्चों की पहचान भागे हुए बच्चों के रूप में की गई। 2105 लापता पाए गए, 1091 बच्चे बिछड़े हुए, 400 बच्चे निराश्रित, 87 अपहृत, 78 मानसिक रूप से विक्षिप्त और 131 बेघर बच्चे पाए गए।

वर्ष 2019 के दौरान आरपीएफ के प्रयास लगातार सफल रहे और 15 हजार 932 बच्चों को बचाया गया। बचाए गए 15,932 बच्चों में से 12,708 भागे हुए, 1454 लापता, 1036 बिछड़े हुए, 350 निराश्रित, 56 अपहृत, 123 मानसिक रूप से विक्षिप्त और 171 बेघर बच्चों के रूप में पहचाने गए। वर्ष 2020 कोविड महामारी के कारण चुनौतीपूर्ण था, जिसने सामान्य जीवन को बाधित किया और परिचालन पर काफी प्रभाव डाला। इन चुनौतियों के बावजूद, आरपीएफ 5,011 बच्चों को बचाने में कामयाब रही।

भाजपा को 'जीरो से हीरो' बनाने वाले समर्पित कार्यकर्ताओं ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं : नकवी

प्रयागराज/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने हालिया लोकसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश में पार्टी की सीटें घटने पर बुधवार को कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ दल को 'जीरो से हीरो' बनाने वाले समर्पित कार्यकर्ताओं ने ऐसे कई उतार-चढ़ाव देखे हैं।

मुहर्रम के जुलूस में शामिल होने के लिए अपने पैतृक गांव भदारी के लिए रवाना होने से पहले नकवी ने संवाददाताओं से कहा, वर्ष 1999 में अटल जी की सरकार के समय इसी उत्तर प्रदेश में भाजपा 60 सीट से घटकर 29 सीट पर और 2004 में 29 से 10 पर आ गई थी। उन्होंने कहा, वहीं 2009 में पार्टी को 15 सीट से संतोष करना पड़ा था लेकिन 2014 में भाजपा ने 71 और 2019 में 65 सीट पर जीत हासिल की थी। पिछले लोकसभा चुनावों में 33 सीट के बावजूद हमारा मत प्रतिशत 44 प्रतिशत से अधिक है। उत्तर प्रदेश में विपक्षी गठबंधन की सीटें बढ़ने पर प्रतिक्रिया देते हुए नकवी ने कहा, फुटकर हार पर थोक में हाहाकार मचाने में लगे विपक्ष के सियासी सूरमाओं को निराशा हाथ लगेगी और उत्तर प्रदेश में भाजपा और मजबूत होकर उभरेगी। उन्होंने कहा, भाजपा के प्रति जन विश्वास कायम है और हम आने वाले चुनावों में एक बार फिर सीट संख्या में मजबूत होकर उभरेंगे।

'सबका साथ, सबका विकास' की जरूरत नहीं, हम उनका साथ देंगे जो हमारे साथ हैं : शुभेंदु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने हालिया लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में पार्टी के खराब प्रदर्शन के लिए अल्पसंख्यक समुदाय से कम समर्थन मिलने को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि ''सबका साथ, सबका विकास'' की जरूरत नहीं है और इसके बजाय उन्होंने ''हम उनके साथ जो हमारे साथ'' का प्रस्ताव दिया।

भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी के विस्तारित सत्र को बुधवार को संबोधित करते हुए अधिकारी ने यह भी कहा कि पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चा की जरूरत नहीं है। हालांकि, बाद में उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी टिप्पणियों को संदर्भ से हटाकर पेश किया गया और कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मंत्र 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' का पूरा समर्थन करते हैं। अधिकारी ने भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी के विस्तारित सत्र को संबोधित करते हुए कहा, ''मैंने राष्ट्रवादी मुस्लिमों की भी बात की है। हम सभी 'सबका साथ, सबका विकास' की बात किया करते हैं, लेकिन आगे से अब मैं यह नहीं कहूंगा, क्योंकि मेरा मानना है कि इसके बजाय यह 'हम उनके साथ जो हमारे साथ' होना चाहिए...अल्पसंख्यक मोर्चा की कोई जरूरत नहीं है।'' राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, पश्चिम बंगाल में करीब 30 फीसदी अल्पसंख्यक मतदाता हैं, जिन्होंने तृणमूल कांग्रेस को हालिया लोकसभा चुनाव में दक्षिणी पश्चिम बंगाल के अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में शानदार जीत हासिल करने में मदद की। वहीं, उत्तर बंगाल में वाम-कांग्रेस गठबंधन और तृणमूल के बीच मतों के विभाजन ने भाजपा को क्षेत्र में कई सीट हासिल करने में मदद की। साल 2014 में भाजपा ने ''सबका साथ, सबका विकास'' का नारा दिया था और 2019 में एक कदम आगे बढ़ते हुए इसे ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास'' कर दिया था। अधिकारी ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के दौरान ''कई इलाकों में तृणमूल कांग्रेस के जिहादी गुंडों ने हिंदुओं को वोट नहीं डालने दिया।'' अधिकारी ने कहा, ''पश्चिम बंगाल में, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव संभव नहीं है। तृणमूल के जिहादी गुंडे ऐसा नहीं होने देंगे। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव राज्य में अशांत क्षेत्र अधिनियम लागू कर ही संभव है। हम राष्ट्रपति शासन लागू कर पिछले दरवाजे से राज्य में सत्ता हथियाना नहीं चाहते।''

झारखंड में झामुमो की सत्ता में वापसी हुई तो मूल निवासी अल्पसंख्यक हो जाएंगे: शिवराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को दावा किया कि अगर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत गठबंधन सरकार सत्ता में वापस आती है तो झारखंड के मूल निवासी अल्पसंख्यक हो जाएंगे।

हटिया में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव झारखंड और इसकी परंपराओं को बचाने के लिए है। उन्होंने कहा, अगर झामुमो के नेतृत्व वाला गठबंधन फिर से सत्ता में आता है तो राज्य के मूल निवासी अल्पसंख्यक हो जाएंगे। बांग्लादेश से घुसपैठ के कारण राज्य की जनसांख्यिकी बदल रही है। चौहान ने आरोप लगाया कि घुसपैठिए आदिवासी महिलाओं से शादी करके आदिवासियों की जमीन लूट रहे हैं।

हेमंत सोरेन सरकार पर हमला करते हुए चौहान ने आरोप लगाया कि सरकार ने राज्य के लोगों को भ्रष्टाचार के अलावा कुछ नहीं दिया। उन्होंने कहा, सरकार ने युवाओं को नौकरी और बेरोजगार युवकों को भत्ता देने का वादा किया था। लेकिन, इसने न तो किसी को नौकरी दी और न ही बेरोजगारी भत्ता दिया। इसने युवाओं को धोखा दिया है। चौहान ने कहा, इसी तरह, महिलाओं को खाना पकाने की लागत के रूप में 2,000 रुपये प्रति माह और बिना किसी गारंटी के 50,000 रुपये तक का ऋण देने का वादा किया गया था। लेकिन, राज्य की किसी भी महिला को इसका लाभ नहीं मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बजाय झामुमो नीत सरकार खनिज और रेत की लूट में लिप्त रही।

चौहान ने दावा किया, लूट इतनी बड़ी थी कि कई पहाड़ियां गायब हो गईं।

झारखंड चुनाव के प्रभारी चौहान ने कानून व्यवस्था की स्थिति पर भी चिंता जताई। उन्होंने दावा किया कि पिछले साढ़े चार साल में राज्य में 7,812 हत्याएं, 7,115 बलात्कार, 8,552 दंगे, 2,721 लूट और 485 डकैती की घटनाएं दर्ज की गईं।

केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि सिर्फ भाजपा ही झारखंड को बचा सकती है और इसे समृद्ध बना सकती है ताकि लोगों को रोजी-रोटी के लिए अन्य राज्यों में पलायन न करना पड़े।

माफिया अतीक की 50 करोड़ रुपये की बेनामी संपत्ति हुई सरकारी

प्रयागराज/भाषा। माफिया अतीक अहमद की अपराध से अर्जित करीब 50 करोड़ रुपये मूल्य की कुर्क की गई बेनामी संपत्ति को न्यायालय (गैंगस्टर) ने राज्य सरकार के पक्ष में निहित कर दिया है। जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) गुलाब चंद्र अग्रहरि ने बताया कि अतीक अहमद ने अपराध की कमाई से यह संपत्ति लालापुर के राजमिस्त्री हूबलाल ने नाम पर खरीदी थी। लगभग 2.377 हेक्टेयर भूमि की उस समय कीमत 12.42 करोड़ रुपये प्रति हेक्टेयर थी। उन्होंने बताया कि हूबलाल के नाम पर जमीन का बैनामा करते समय अतीक अहमद द्वारा कहा गया था कि जरूरत पड़ने पर इस जमीन का बैनामा वह अपने नाम करा लेगा।

अग्रहरि ने कहा कि पुलिस आयुक्त न्यायालय द्वारा इस संपत्ति को गैंगस्टर एक्ट की धारा 14 (1) के तहत कुर्क किया गया और जवाब दाखिल करने के लिए तीन महीने का समय दिया गया। लेकिन इस तीन महीने के भीतर संबंधित पक्ष द्वारा जमीन के पक्ष में कोई साक्ष्य नहीं पेश किया गया। उन्होंने बताया कि इसके बाद पुलिस आयुक्त न्यायालय ने इस मामले में पत्रावली को न्यायालय (गैंगस्टर) के पास भेज दिया।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ने दोहराया, 'सरकार से बड़ा है संगठन'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को दोहराया कि 'संगठन सरकार से बड़ा है और वह कार्यकर्ताओं के दर्द को अपना मानते हैं क्योंकि कार्यकर्ता ही पार्टी का गौरव होते हैं। मौर्य ने बीते रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कार्यसमिति की बैठक के दौरान भी यह बात कही थी।

उपमुख्यमंत्री ने बुधवार को 'एक्स' पर कहा, संगठन सरकार से बड़ा है, कार्यकर्ताओं का दर्द मेरा दर्द है। संगठन से बड़ा कोई नहीं, कार्यकर्ता ही गौरव हैं। मौर्य और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बीच कथित तल्खी और उपमुख्यमंत्री द्वारा नई दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात के एक दिन बाद यह पोस्ट किया गया। हालांकि अब तक न तो भाजपा ने और न ही मौर्य ने इस मुलाकात के बारे में कोई बयान दिया है। बुधवार को मुख्यमंत्री आवास के बाहर राज्य सरकार में मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने मौर्य और आदित्यनाथ के बीच खींचतान को लेकर पूछे गये एक सवाल पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। मौर्य ने प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में कहा था, मैं हमेशा कहता था और आज भी इस प्रदेश कार्यसमिति में यहां संगठन के वरिष्ठतम नेतृत्व के सामने कह रहा हूं कि संगठन सरकार से बड़ा है। संगठन सरकार से बड़ा है, बड़ा था और हमेशा बड़ा रहेगा। उन्होंने कहा, भाजपा कार्यकर्ता होने के नाते यहां जितने भी साथी बैठे हैं। सात कालिदास मार्ग का दरवाजा आपके लिये खुला है। मैं अपने आप को उपमुख्यमंत्री बाद में मानता हूं, भाजपा का कार्यकर्ता पहले मानता हूं। मौर्य ने कहा था कि सभी मंत्री, विधायक और जनप्रतिनिधि सभी कार्यकर्ताओं का सम्मान करें और उनकी गरिमा का ख्याल रखें।

बिहार : पटना में 37 कारतूस, गोला-बारूद और अन्य विस्फोटक बरामद

पटना/भाषा। बिहार के पटना में पुलिस ने बुधवार को एक मकान से 37 कारतूस, गोला-बारूद और विस्फोटकों में इस्तेमाल होने वाले पोटेशियम नाइट्रेट, चारकोल पाउडर एवं अन्य सामग्री को जब्त कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अनुमंडल पुलिस अधिकारी (कानून-व्यवस्था-द्वितीय) दिनेश कुमार पांडेय ने बताया कि दीघा एवं रुपसपुर थाना की संयुक्त टीम ने कुर्जी गेट संख्या-71 के पास स्थित पवन महतो के घर पर बुधवार सुबह छापेमारी के दौरान 35 जिंदा कारतूस, पोटेशियम नाइट्रेट से भरे डिब्बे, वॉल पेंट, चारकोल पाउडर, सुतली, जिस्म की रक्षा करने वाला कपड़ा, सेना के जवानों द्वारा पहने जाने वाली जैकेट और अन्य सामग्री जब्त की गयी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने पवन महतो को गिरफ्तार कर लिया और मामले की जांच की जा रही है।

हाथरस भगदड़ कांड : कासगंज पहुंचा स्वयंभू बाबा सूरजपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के हाथरस में सत्संग के बाद मची भगदड़ की घटना के बाद सुर्खियों में आये स्वयंभू बाबा सूरजपाल उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा बुधवार को कासगंज के पटियाली स्थित अपने आश्रम पहुंचा।

भोले बाबा के वकील ए.पी. सिंह ने कासगंज में संवाददाताओं से कहा, ''वह (भोले बाबा) अपने आश्रम पहुंच गए हैं और यहीं रहेंगे। वह यहां आश्रम से ही आए हैं। वह कभी किसी के घर, होटल या किसी दूसरे देश में नहीं गए।'' उन्होंने कहा कि कासगंज बाबा की जन्मस्थली है और वह आखिरी बार 2023 में एक दिन के लिए यहां आए थे और इससे पहले वे 2013 में यहां आए थे। हाथरस के सिकंदराराऊ इलाके में दो जुलाई को स्वयंभू बाबा सूरजपाल उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा के सत्संग के बाद मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गयी थी। राज्य सरकार ने घटना की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) और न्यायिक आयोग का गठन किया है। भगदड़ के मामले में दर्ज मुकदमे में बाबा का नाम आरोपी के तौर पर शामिल नहीं था।

एसआईटी ने गत जुलाई को राज्य सरकार को सौंपी गयी अपनी रिपोर्ट में भगदड़ के पीछे किसी बड़ी साजिश से इनकार नहीं किया। एसआईटी रिपोर्ट में स्थानीय प्रशासन की ओर से चूक की ओर भी इशारा किया गया।

झारखंड में सुरक्षा बलों एवं माओवादियों के बीच मुठभेड़

चाईबासा (झारखंड)/भाषा। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में बुधवार को सुरक्षाकर्मियों और वांछित माओवादी मिसिर बेसरा के साथियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ छोटानगर थाना क्षेत्र के दलाईगाड़ा गांव के निकट एक जंगल में बुधवार सुबह हुई।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) आशुतोष शेखर ने बताया कि सुरक्षा बलों को मिसिर बेसरा समेत कई माओवादियों की गतिविधि के बारे में सूचना मिली थी जिसके आधार पर उन्होंने 14 जुलाई को छोटानगर और मनोहरपुर पुलिस थानों के अंतर्गत आने वाले वन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया था। मिसिर बेसरा पर एक करोड़ रुपये का इनाम घोषित है। उन्होंने कहा, ''मिसिर बेसरा के साथियों के साथ मुठभेड़ हुई। इस गोलीबारी के दौरान बेसरा भी आस-पास ही था।'' उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान, माओवादियों ने सुबह करीब पांच बजकर 50 मिनट पर दलाईगाड़ा जंगल में पुलिस दल पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। एसपी ने बताया कि मुठभेड़ के बीच माओवादी इलाके से भाग गए। उन्होंने बताया कि इलाके से एक एसएलआर, तीन मैगजीन, एक .303 राइफल, एक 9 मिमी पिस्तौल, एसएलआर के 174 कारतूस एवं 34 डेटोनेटर समेत हथियार और गोला-बारूद तथा एक लैपटॉप बरामद किया गया।

इंदिरा, राजीव की हत्या पर अमित मालवीय की टिप्पणी का भाजपा ने किया बचाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्या पर अपने सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय की टिप्पणी का बुधवार को बचाव करते हुए कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी को सच्चाई से भागना नहीं चाहिए। एक दिन पहले मालवीय की टिप्पणी के लिए कांग्रेस ने उन्हें बर्खास्त करने और भाजपा से माफी मांगने की मांग की थी। मालवीय ने कहा था कि इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्या उनके राजनीतिक फैसलों के लिए की गई थी।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''सत्य हमेशा सत्य ही रहता है। उन्हें सच्चाई से भागना नहीं चाहिए। लोगों को पता होना चाहिए कि कांग्रेस और उसके नेताओं ने क्या किया।'' गौतम ने आरोप लगाया, ''उन्होंने आपातकाल लगाया, लोकतंत्र और संविधान की हत्या की। प्रधानमंत्री बनने के लिए, जवाहरलाल नेहरू ने भारत के विभाजन का का नेतृत्व किया। लाखों लोग मारे गए।'' भाजपा नेता ने कहा कि लोगों को देश का इतिहास जानना चाहिए क्योंकि कांग्रेस ने हमेशा ही इसे दबाने का प्रयास किया है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के प्रयास की पृष्ठभूमि में सोमवार शाम एक टीवी बहस के दौरान मालवीय ने कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ हिंसा को प्रोत्साहित करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था, ''इससे पहले कि कांग्रेस यह दावा करे कि उनके अपने नेताओं की हत्या हुई है तो मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि उनके (नेताओं) द्वारा लिए गए राजनीतिक निर्णयों के कारण उनकी हत्या की गई...प्रधानमंत्री रहते हुए भी कई बार इंदिरा गांधी के काफिले पर पथराव हुआ।'' मालवीय ने कहा, ''इंदिरा और राजीव दोनों के साथ दुखद घटनाएं हुई हैं, हम उसकी निंदा करते हैं लेकिन गांधी परिवार की संतान आज वास्तव में प्रधानमंत्री मोदी पर हमले और मौत की कामना कर रही हैं...।'' कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भाजपा अध्यक्ष को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्याओं के संदर्भ में 'असंवेनदशील'' टिप्पणियां करने के लिए मालवीय को बर्खास्त किया जाए तथा भाजपा देश से माफी मांगे।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने नड्डा को लिखे पत्र में यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को मालवीय की टिप्पणियों को खारिज करना चाहिए। रमेश ने नड्डा को लिखे पत्र में कहा, ''मैं भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय द्वारा की गई हालिया टिप्पणियों के संबंध में गहरी चिंता और निराशा के साथ लिख रहा हूं। पूर्व प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्याओं को लेकर की गई उनकी टिप्पणियां न केवल बेहद असंवेदनशील हैं, बल्कि संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए दुखद ऐतिहासिक घटनाओं को कमतर दिखाने का प्रयास भी है।''

देश में बेरोजगारी चरम पर, ध्यान भटकाने की राजनीति बंद करें प्रधानमंत्री : प्रियंका

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने मुंबई में नौकरी के लिए एकत्र हुए युवाओं की भीड़ वाले एक वीडियो का हवाला देते हुए बुधवार को कहा कि देश में बेरोजगारी चरम पर है और ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ''ध्यान भटकाने की राजनीति'' बंद कर युवाओं के बारे में सोचना चाहिए। मुंबई में नौकरी के लिए जुटी भीड़ का एक वीडियो वायरल हुआ है। 16 जुलाई को मुंबई हवाईअड्डे पर एअर इंडिया में अलग-अलग पदों के लिए आवेदन देने बड़ी संख्या में युवा पहुंचे थे। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''प्रधानमंत्री जी कुछ दिन पहले मुंबई में कह रहे थे कि हमने जाने कितने करोड़ रोजगार देकर रिकॉर्ड तोड़ डाले। आज उसी मुंबई में कुछ वैकेंसीज के लिए आए बेरोजगारों की अपार भीड़ का वीडियो वायरल है।''

प्रियंका का कहना था कि इसके पहले गुजरात के होटल में 25 रिक्तियों के लिए बड़ी संख्या में बेरोजगार पहुंचे थे जिससे भगदड़ जैसे हालात बन गए थे।'' उन्होंने दावा किया कि यह दिखाता है कि बेरोजगारी चरम पर है तथा देश ऐतिहासिक बेरोजगारी का सामना कर रहा है। मेरी प्रधानमंत्री जी से अपील है कि अब खोखले वादों व ध्यान भटकाने की राजनीति बंद करें और देश के युवाओं के बारे में सोचें। जिन होनहार युवाओं की उम्र बीत रही है, उन्हें करोड़ों नये अवसरों की जरूरत है।''

कपिल की ओलंपिक के लिए जाने वाले खिलाड़ियों को सलाह, स्वच्छंद होकर खेलें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत की 1983 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान और भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर के अध्यक्ष कपिल देव ने ओलंपिक जाने वाले भारतीय खिलाड़ियों को 26 जुलाई से शुरू हो रहे खेलों के महाकुंभ में स्वच्छंद होकर खेलने की सलाह दी और उम्मीद जताई कि देश पेरिस में दोहरे अंक में पदक जीतेगा।

पेरिस में भारत का प्रतिनिधित्व 117 सदस्यीय दल करेगा और देश को तोक्यो में जीते सात पदकों की संख्या को बेहतर करने की उम्मीद है। ट्रिनिटी गोल्फ चैंपियन्स लीग (टीजीसीएल) के दूसरे सत्र की घोषणा के मौके पर कपिल ने कहा, ''मैं किसी खिलाड़ी के लिए कुछ नहीं कह सकता, लेकिन मैं उन्हें शुभकामनाएं दे सकता हूं और उम्मीद करता हूं कि हम इस साल और अधिक पदक जीतेंगे और यह महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''सभी को (भारतीय खिलाड़ियों) मेरी सलाह होगी कि वे जाएं और खुद को जाहिर करें, स्वच्छंद होकर खेलें। हम क्यों उम्मीद नहीं करेंगे कि हम दोहरे अंक में पदक जीतेंगे।'' कपिल ने हालांकि नवनियुक्त मुख्य कोच गौतम गंभीर पर टिप्पणी करने से परहेज किया। उन्होंने कहा, ''अगर गौतम गंभीर वह पद (भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच का पद) संभाल रहे हैं तो मैं उन्हें और टीम को शुभकामनाएं देता हूं। मुझे उम्मीद है कि वे पहले से बेहतर प्रदर्शन करेंगे। मैं भारतीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देना चाहता हूं।''

सहनी हत्याकांड: पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया

दरभंगा/पटना/भाषा। बिहार पुलिस ने विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के अध्यक्ष मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की जघन्य हत्या की जांच के सिलसिले में पूछताछ के लिए कुल चार लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने एक बयान में इसकी जानकारी दी। दरभंगा जिला पुलिस की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण से पता चला है कि चार लोग 15 जुलाई की रात करीब 10.30 बजे जीतन सहनी के घर में प्रवेश किये और कुछ देर भीतर रहने के बाद बाहर निकल गए।

पूर्व राज्य मंत्री मुकेश सहनी के 70 वर्षीय पिता की 16 जुलाई को दरभंगा जिले में उनके पैतृक आवास में धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई थी। बयान के अनुसार जांचकर्ता हिरासत में लिए गए चारों लोगों के कॉल डिटेल रिकॉर्ड की जांच कर रहे हैं... हिरासत में लिए गए लोगों के बारे में जानकारी और सोमवार रात को पीड़ित के घर जाने का उद्देश्य के बारे में भी पता लगा रहे हैं। उनके बारे में अन्य जानकारी भी ग्रामीणों से जुटाई जा रही है। इसमें कहा गया है कि हिरासत में लिए गए लोगों की प्रारंभिक जांच और पूछताछ से पता चला है कि इनमें से दो ने सहनी से ब्याज पर पैसे उधार लिए थे।

सूर्यकुमार यादव आईसीसी टी20 रैंकिंग में दूसरे स्थान पर बरकरार, जायसवाल छठे स्थान पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर बरकरार हैं जबकि युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायवाल छठे स्थान पर पहुंच गए। रुतुराज गायकवाड़ टी20 बल्लेबाजों की सूची में एक स्थान के नुकसान से आठवें पायदान पर हैं। जिंबाब्वे के खिलाफ टी20 शृंखला में भारत की 4-1 की जीत के बाद रैंकिंग को अपडेट किया गया है।

शृंखला में 141 रन बनाने वाले जायसवाल को चार स्थान का फायदा हुआ है। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर चल रहे हैं। सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में जिंबाब्वे दौरे पर भारतीय टीम की अगुआई करने वाले शुभमन गिल पांच पारियों में 170 रन बनाकर शृंखला के शीर्ष स्कोरर रहे। वह 36 स्थान की लंबी छलांग के साथ 37वें स्थान पर हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में कोई भारतीय शीर्ष 10 में नहीं है। जिंबाब्वे के खिलाफ शृंखला से अक्षर पटेल को ब्रेक दिया गया था और वह चार स्थान के नुकसान से 13वें स्थान पर खिसक गए हैं। तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और वाशिंगटन सुंदर को रैंकिंग में फायदा हुआ है। तीन मैच में आठ विकेट चटकाने वाले मुकेश 36 स्थान के फायदे से 46वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पांच मैच में आठ विकेट हासिल करने वाले सुंदर 21 स्थान की छलांग के साथ 73वें स्थान पर हैं।

इंग्लैंड के आदिल राशिद टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के एनरिच नोर्किया और श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा का नंबर उनके बाद आता है।

टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडर की सूची में भारत के हार्दिक पंड्या चार स्थान के नुकसान से छठे स्थान पर खिसक गए जबकि अक्षर एक स्थान के नुकसान से 13वें स्थान पर हैं। सुंदर और शिवम दुबे आठ और 35 स्थान के फायदे से क्रमश: 41वें और 43वें स्थान पर हैं। श्रीलंका के हसरंगा ऑलराउंडरों की सूची में शीर्ष पर चल रहे हैं।

आईसीसी ने छह देशों को आईसीसी डेवलपमेंट पुरस्कार के लिए चुना

नई दिल्ली/भाषा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को आईसीसी डेवलपमेंट पुरस्कार 2023 के वैश्विक विजेताओं की घोषणा जिसमें छह उभरते हुए देश मेक्सिको, ओमान, नीदरलैंड, यूएई, नेपाल और स्कॉटलैंड शामिल हैं।

पिछले कैलेंडर वर्ष के दौरान शानदार प्रदर्शन के अलावा महत्वपूर्ण पहल के लिए 21 उभरते हुए देशों में से छह को पुरस्कारों के लिए चुना गया और इनका चयन एक प्रतिष्ठित पैनल द्वारा किया गया। आईसीसी की विज्ञप्ति के अनुसार इस साल विजेताओं का चयन अप्रैल में घोषित क्षेत्रीय पुरस्कार विजेताओं की सूची से किया गया जिसे आईसीसी के पूर्ण सदस्य अधिकारियों, पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों और आईसीसी वैश्विक भागीदारों के एक प्रतिष्ठित पैनल द्वारा चुना गया जिसमें प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया की वरिष्ठ खेल पत्रकार मोना पार्थसारथी भी शामिल हैं। आईसीसी डेवलपमेंट (विकास) पुरस्कार 2002 में शुरू किये गये थे जो एसोसिएट सदस्य देशों में खेल को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए किये गये काम के लिए दिये जाते हैं।

सुविचार

जिंदगी में अपनी तुलना किसी से मत करो, जैसे चाँद और सूरज की तुलना नहीं की जा सकती, क्योंकि दोनों ही अपने अपने वक़्त पर ही चमकते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

डिजिटल भुगतान : बनेंगे नए कीर्तिमान

आज भारत डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में जो कीर्तिमान बना रहा है, एक दशक पहले शायद ही किसी ने इसका अनुमान लगाया होगा। यह तो सबको दिख रहा था कि देश में इंटरनेट सुविधाओं का विस्तार होगा तो डिजिटल भुगतान बढ़ेगा, लेकिन इतना बढ़ेगा, यह अकल्पनीय था! अब एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया जाना उम्मीदों को और बढ़ाता है कि भारत में साल 2030 तक खुदरा डिजिटल भुगतान दोगुना होकर 7,000 अरब डॉलर हो जाएगा। याद करें, साल 2016-17 में कुछ 'बुद्धिजीवी' यह कहते थे कि भारत में डिजिटल भुगतान कामयाब नहीं हो सकता, क्योंकि गांव-देहात में लोगों को इसके बारे में जानकारी नहीं है, इतने संसाधन नहीं हैं। अब सुदूर इलाके में बसी किसी ढाणी में भी लोग डिजिटल भुगतान करते मिल जाएंगे। उन्हें यह सिखाने के लिए विदेश से वैज्ञानिक या विशेषज्ञ नहीं आए थे। लोग धीरे-धीरे खुद ही सीख गए। जनता-जनार्दन की इस ताकत से दुनिया के बड़े-बड़े अर्थशास्त्री अचंभित हैं। जब वे यूट्यूब पर देखते हैं कि भारत में कुछ किलोग्राम फल-सब्जी की दुकान लगाकर बैठा व्यक्ति भी डिजिटल भुगतान स्वीकार करता है तो उन्हें मानना पड़ता है कि हिंदुस्तानियों ने इस क्षेत्र में ऐसे आयाम स्थापित कर दिए हैं, जिनसे दुनिया बहुत कुछ सीख सकती है। डिजिटल भुगतान ने भारत की छवि को बदलने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज दुनियाभर में यूपीआई के चर्चे हैं। उसकी स्वीकार्यता बढ़ती जा रही है। हाल में इस संबंध में जितने भी अध्ययन हुए हैं, वे कीर्ने और अमेज़न पे के उक्त अध्ययन पर ही मुहर लगाते प्रतीत होते हैं, जिसके मुताबिक, भारत में डिजिटल भुगतान तेजी से बढ़ रहा है और यह लोगों की रोजमर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा बन चुका है।

इस अध्ययन की ये पंक्तियां भारत में डिजिटल भुगतान के भविष्य को बयान करती हैं - 'सर्वेक्षण में शामिल 90 प्रतिशत लोगों ने ऑनलाइन खरीदारी करते समय डिजिटल भुगतान को प्राथमिकता दी ... युवा पीढ़ी सभी प्रकार के डिजिटल भुगतान साधनों को अपनाने में अग्रणी है। पुरुष और महिलाएं, दोनों ही अपने लगभग 72 प्रतिशत लेन-देन में डिजिटल भुगतान का उपयोग करते हैं, जो लैंगिक समानता को दर्शाता है।' डिजिटल भुगतान के तौर-तरीके एक दशक में ही ऐसा बदलाव लाने में सक्षम रहे हैं कि अतीत की कई 'समस्याएं' अब सिर्फ इतिहास की किताबों में देखने को मिलेंगी। किसी समय गैस सिलेंडर बुक करवाने का मतलब था- आधे से लेकर एक दिन तक इसी में बीत जाना। अब डिजिटल भुगतान के बाद कुछ ही घंटों में सिलेंडर घर पर मिल जाता है। नकदी निकालने या जमा कराने के लिए बैंक की कतारों में लगने वाले समय को कौन भूल सकता है? अब डिजिटल भुगतान ने ज़्यादातर जगहों पर नकदी की ज़रूरत खत्म कर दी। बड़े शहरों से लेकर कस्बों और गांवों तक बिजली का बिल जमा कराने की पुरानी व्यवस्था बहुत कष्टदायक थी। लंबी-लंबी कतारों में खड़े लोग अपनी बारी का इंतजार करते रहते थे। इससे बुजुर्गों को कई तकलीफों का सामना करना पड़ता था। बिल जमा करने वाले कर्मचारी के लिए आखिर में जोड़ मिलाना किसी इम्तिहान से कम नहीं होता था। अगर वह मिल जाए तो इकट्ठी नकदी को गांव से शहर ले जाना बहुत चुनौतीपूर्ण होता था। ऐसे भी मामले आए थे, जब घात लगाकर बैठे अपराधियों ने पूरी रकम उड़ा ली! डिजिटल भुगतान ने इन सभी समस्याओं का समाधान कर दिया। आज भी कुछ जगह लोग परंपरागत ढंग से बिल जमा कराते हैं, वहां भविष्य में तस्वीर जरूर बदलेगी। रेलवे स्टेशन, मेट्रो, सिनेमा घर, जहां टिकट लेने और नकदी संभालने में ही काफी ऊर्जा खर्च हो जाती थी, वहां डिजिटल भुगतान ने नई क्रांति की शुरुआत कर दी, जिसके कामयाब होने में किसी को शक नहीं है। बस, सरकार इस माध्यम को अधिक सुरक्षित बनाए, साइबर अपराधियों पर शिकंजा कसे। उसके बाद जनता-जनार्दन इसे नई बुलंदियों तक ले जाएगी।

ट्वीटर टॉक

अपने पैतृक गांव के प्रवास पर हूँ। `ल-मुलाक़ात में आशीष, स्नेह और साथ मिल रहा है। सुख-दुख के सब सहभागी हैं। यहाँ श्री विशन सिंह जी के यहाँ शोक काल है। उनके घर जाकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए परिजनों का ढाढ़स बँधाने का प्रयास किया।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

नेता प्रतिपक्ष ने बहुत सारे सुझाव दिए, यह सुझाव आप पहले ही दे देते जब आपकी सरकार थी शायद कुछ बदल जाता कुछ अच्छा हो जाता ? प्रदेश की जनता को इतना नुकसान तो नहीं उठाना पड़ता, यह वित्तीय स्थिति नहीं होती जो हमको मिली।

-दीया कुमारी

राजस्थान और छत्तीसगढ़ की जनता को इसकी सच्चाई बताई जानी चाहिए। क्या दोनों मुख्यमंत्रियों को अधिकारी इस मुद्दे पर गुमराह कर रहे हैं या दोनों मुख्यमंत्री मिलकर अपने-अपने राजनीतिक हितों के अनुरूप जनता को गुमराह कर रहे हैं।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

कर्मभूमि में मुक्ति

महर्षि मुद्गल परम विरक्त और घोर तपस्वी थे। वे धर्मशास्त्रों के स्वाध्याय और भगवद्भजन में लगे रहते थे। वे खेतों में गिरे हुए अन्न को एकत्र कर उससे अपना पेट भरते थे। एक बार व्रत करके जब वे अगले दिन व्रत का पारण करने वाले थे कि अचानक एक दीन-हीन व्यक्ति उनके पास पहुंचा और उनसे भोजन देने की याचना की। महर्षि ने अपने लिए बनाई गई रोटियां याचक को दे दीं। यह क्रम कई बार दोहराया गया। हर बार उन्होंने स्वयं भूखा रहकर याचक को अपनी रोटियां दे दीं। अचानक उनके समक्ष देवदूत प्रकट होकर बोला, 'आपके पुण्यों के कारण मैं आपको स्वर्गलोक ले जाने आया हूं।' महर्षि ने देवदूत से पूछा, 'धरती व स्वर्ग में क्या अंतर है।' देवदूत ने कहा, 'स्वर्गलोक भोगभूमि है, जबकि पृथ्वी कर्मक्षेत्र है।' यह सुनकर महर्षि मुद्गल बोले, 'मुझे स्वर्ग नहीं जाना। मैं पृथ्वी पर रहकर साधना द्वारा मुक्ति प्राप्त करूंगा।' देवदूत महर्षि को देखते रह गया।

सामयिक

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों को केंद्र ने दिया कानूनी संदेश

कमलेश पांडेय

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में आतंकी जिस तरह से पुनः सिर उठाते दिखाई पड़े, उसके मुताल्लिक केंद्र सरकार ने बिल्कुल सटीक उपाय किये और केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली जैसी शक्तियों से जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल को भी लैस कर दिया। इससे साफ है कि जम्मू-कश्मीर में फिर से सिर उठा रहे आतंकियों को केंद्र सरकार ने सख्त कानूनी संदेश दिया है कि चाहे जितना उधम मचा लो, पर कानून के शिकंजे से बच नहीं पाओगे।केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में चुनाव बाद भी तुम्हारे पॉलिटिकल बॉस किसी काम नहीं आएंगे! लिहाजा, इसके सियासी और प्रशासनिक दोनों मायने निकाले जा रहे हैं। कुछ राजनीतिक दलों को तो मानो मिर्ची लग चुकी है। ऐसे में यह समझ में नहीं आता कि जब इसी साल सितंबर के अंत तक वहां विधानसभा चुनाव होने वाले हैं तो फिर आतंकी वारदातें एकाएक बढ़ क्यों गईं? घाटी तो छोड़िए जम्मू में आतंकियों को स्थानीय समर्थन कैसे संभव हो गया, जैसा कि पुलिस खुलासा कर चुकी है? ऐसा प्रतीत होता है कि आतंकी वारदातों के पीछे कहीं न कहीं किसी सफेदपोश नेता और उनके शातिर कार्यकर्ताओं की प्रत्यक्ष या परोक्ष भूमिका होगी ही! बस, इस नजरिए से पुलिस जांच तेज करने की जरूरत है। जैसे अभी स्लीपर सेल वाले पकड़े जा रहे हैं, उसी तरह से ये सफेदपोश भी नहीं बचेंगे।

कहना न होगा कि जिस तरह से जम्मू-कश्मीर की धरती सैनिकों और आम आदमी के खून से लाल की जा रही है, उसके परिप्रेक्ष्य में देशद्रोही ताकतों की शिनाख्त और सख्त सजा दोनों की दरकार है। उम्मीद है कि उपराज्यपाल की बढ़ी शक्तियों से आतंकियों के नापाक मंसूबों को चकनाचूर किया जा सकेगा। बता दें कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव से पहले केंद्र सरकार ने दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) जैसी शक्तियां बढ़ाने वाली धाराएं जोड़ी हैं, जिसके बाद तबादले-पोस्टिंग में अब जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल (एलजी) की मंजूरी जरूरी हो चुकी है। इस केंद्र शासित प्रदेश में पुलिस व भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) एवं भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) जैसी अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों की तैनाती व तबादले एलजी की मंजूरी के बिना नहीं हो सकेंगे। क्योंकि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 12 जुलाई 2024 शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 की धारा 55 के तहत संशोधित नियमों की अधिसूचना जारी की, जिसमें एलजी को और अधिक शक्तियां प्रदान की गई हैं। वहीं, उपराज्यपाल भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो से जुड़े मामलों के अलावा महाधिवक्ता और अन्य कानून अधिकारियों की नियुक्ति पर भी फैसले कर सकेंगे। इस बारे में गृह मंत्रालय ने कहा कि पुनर्गठन अधिनियम में इन प्रावधानों का जिक्र पहले से ही है। फिलवक्त रोजमर्रा के कामकाज में और स्पष्टता के लिए नियमों में कुछ बदलाव किए गए हैं। पुनर्गठन अधिनियम में कोई संशोधन नहीं किया गया है। केंद्र के इस फैसले के बाद यह स्पष्ट हो चुका है कि राज्य में सरकार किसी की बने, अहम फैसले लेने की शक्तियां एलजी के पास ही रहेंगी। हालांकि, केंद्र के इस फैसले से जम्मू-कश्मीर में भी दिल्ली जैसे हालात पैदा हो सकते हैं, जहां सरकार और एलजी के बीच टकराव की स्थिति बनी रहती है। बहरहाल राज्य में वरिष्ठ भाजपा नेता मनोज सिन्हा एलजी हैं। इसलिए उनसे टकराव की नौबत कम ही आएगी। उल्लेखनीय है कि 5 अगस्त 2019 को जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम (2019) संसद में पारित किया गया था। इसमें जम्मू और कश्मीर को दो भागों में बांटकर केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया। पहला जम्मू-कश्मीर और दूसरा लद्दाख। इस अधिनियम ने अनुच्छेद 370 को भी निरस्त कर दिया, जिसने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा दिया था। जम्मू-कश्मीर जून 2018 से केंद्र सरकार के अधीन है। 28 अगस्त 2019 को गृह मंत्रालय ने प्रशासन के नियमों को नोटिफाई किया था, जिसमें उपराज्यपाल और मंत्री परिषद के कामकाज की स्पष्ट व्याख्या की हुई है।

वहीं, अब संशोधित नियमों में अहम बिंदु जोड़े गए, जिसके मुताबिक, पहला, पुलिस, सार्वजनिक व्यवस्था, अखिल भारतीय सेवा और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से जुड़े किसी भी प्रस्ताव को तबतक मंजूर या नामंजूर नहीं किया जा सकता, जबतक मुख्य सचिव के जरिए उसे राज्यपाल के सामने नहीं रखा जाए। अभी इनसे जुड़े मामलों में वित्त विभाग की सहमति लेना जरूरी है। दूसरा, किसी प्रकरण में केस चलाने की मंजूरी देने या न देने और अपील दायर करने के सम्बन्ध में कोई भी प्रस्ताव विधि विभाग मुख्य सचिव के जरिए उपराज्यपाल के सामने रखना जरूरी होगा। दूसरे शब्दों में, अभियोजन मंजूरी प्रदान करने या अपील दायर करने के लिए भी एलजी की मंजूरी लेनी होगी।

तीसरा, विधि, न्याय और संसदीय कार्य विभाग महाधिवक्ता और अन्य विधि अधिकारियों की नियुक्ति के प्रस्ताव को मुख्य सचिव और मुख्यमंत्री के जरिए उपराज्यपाल की मंजूरी के लिए पेश करेगा। चतुर्थ, कारागार, अभियोजन निदेशालय और फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला से सम्बंधित मामले मुख्य सचिव के माध्यम से गृह विभाग के प्रशासनिक सचिव की ओर से एलजी के समक्ष पेश किए जाएंगे। पंचम, प्रशासनिक सचिवों की तैनाती, तबादले तथा अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों से सम्बंधित मामलों में प्रस्ताव मुख्य सचिव के माध्यम से सामान्य प्रशासन विभाग के प्रशासनिक सचिव की ओर से एलजी के पास भेजे जाएंगे।

बता दें कि दिल्ली के केंद्र शासित राज्य होने के नाते वहां एलजी को ही सरकार माना जाता है। क्योंकि दिल्ली में कोई भी अधिसूचना बगैर एलजी की मंजूरी के जारी नहीं हो सकती। दिल्ली में केंद्र सरकार के अध्यादेश के बाद उपराज्यपाल के पास सर्विसेज विभाग, जमीन और सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी है। दिल्ली में अधिकारियों की ट्रांसफर, पोस्टिंग की जिम्मेदारी एलजी के पास है। सरकार अधिकारी को हटाना या लगाना चाहती है तो उसे उपराज्यपाल से मंजूरी लेनी होगी। इसी तरह सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिल्ली पुलिस की जिम्मेदारी सीधे एलजी की होती है। पुलिस सीधे उपराज्यपाल को रिपोर्ट करती है। बहरहाल, जम्मू-कश्मीर में जल्द विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में इस अधिसूचना को राजनीतिक नजरिए से भी देखा जा रहा है। अधिसूचना के बाद अब राज्य में नई सरकार के गठन के बाद भी एलजी की भूमिका ताकतवर बनी रहेगी। हालांकि, नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य बना देना चाहिए। उधर, कांग्रेस ने भी कहा कि सभी राजनीतिक दलों में इस बात को लेकर आम सहमति रही है कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलना चाहिए।

वहीं, नेशनल कांफ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला की बात में दम है कि अब तो हर चीज के लिए एलजी से भीख मांगनी पड़ेगी। उन्होंने तो यहां तक कह दिया कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव नजदीक है। इसलिए पूर्ण, अविभाजित राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए समय सीमा निर्धारित करने की दृढ़ प्रतिबद्धता इन चुनावों के लिए एक शर्त है। जम्मू-कश्मीर के लोग शक्तिहीन, रबर स्टाम्प, मुख्यमंत्री से बेहतर के हकदार हैं, जिन्हें अपने चपरासी की नियुक्ति के लिए भी एलजी से भीख मांगनी पड़ेगी। इसलिए नए परिवर्तन से हम असहमत हैं। वहीं, पीडीपी की चिंता स्वाभाविक है कि यह आदेश जम्मू-कश्मीर में अगली निर्वाचित सरकार की शक्तियों को कम करने का प्रयास है। उधर, अपनी पार्टी के प्रमुख अल्ताफ बुखारी ने ठीक ही कहा है कि इस नए फैसले का उद्देश्य राज्य को खोखला बनाना है, जिसमें निर्वाचित सरकार के लिए कोई शक्ति नहीं बचेगी। सवाल है कि जब नेता लोग आतंकियों से सहानुभूति रखेंगे, पाकिस्तान के तलवे सहलाने वाली बातें बोलेंगे, तो फिर केंद्र उनकी नकेल कसने के यत्न करेगा ही। सच कहूं तो जम्मू-कश्मीर के जो वर्तमान हालात हैं, उसके मद्देनजर केंद्र के नए फैसले से असहमत होने का कोई कारण भी नहीं है। इसलिए शांति चाहते हो तो सुधर जाओ, अन्यथा केंद्र के इशारे पर कुचले जाओगे, सर्प फन मानिंद!

(साभार : प्रभासाक्षी)

जम्मू-कश्मीर में अगली निर्वाचित सरकार की शक्तियों को कम करने का प्रयास है। उधर, अपनी पार्टी के प्रमुख अल्ताफ बुखारी ने ठीक ही कहा है कि इस नए फैसले का उद्देश्य राज्य को खोखला बनाना है, जिसमें निर्वाचित सरकार के लिए कोई शक्ति नहीं बचेगी। सवाल है कि जब नेता लोग आतंकियों से सहानुभूति रखेंगे, पाकिस्तान के तलवे सहलाने वाली बातें बोलेंगे, तो फिर केंद्र उनकी नकेल कसने के यत्न करेगा ही। सच कहूं तो जम्मू-कश्मीर के जो वर्तमान हालात हैं, उसके मद्देनजर केंद्र के नए फैसले से असहमत होने का कोई कारण भी नहीं है।

नजरिया

नये कानून से बुजुर्ग मां-पिता की सुध लेने की सार्थक पहल

ललित गर्ग

देश में वृद्धों के साथ उपेक्षा, दुर्व्यवहार, प्रताड़ना बढ़ती जा रही है, बच्चे अपने माता-पिता के साथ बिल्कुल नहीं रहना चाहते, वे उनके जीवन-निर्वाह की जिम्मेदारी भी नहीं उठाना चाहते हैं, जिससे भारत की बुजुर्ग पीढ़ी का जीवन नरकमय बना हुआ है, वृद्धजनों की पल-पल की घुटन, तनाव, जीवन-निर्वाह करने की जटिलता एवं उपेक्षा को लेकर समय-समय पर जहां न्यायालयों ने अपनी चिन्ता जतायी है, वहीं सरकार ने कानून बनाकर बुजुर्गों को उन्नत एवं शांति देने के प्रयास किये हैं, लेकिन इसके बावजूद वृद्ध लोगों का जीवन कष्टमय एवं जटिल बना हुआ है। वृद्ध माता-पिता की देखभाल एवं भरण-पोषण की जिम्मेदारी से मुंह मोड़ने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। अदालतों में गुजारा-भत्ते से जुड़े विवाद बड़ी संख्या में सामने आ रहे हैं। यही वजह है कि केंद्र सरकार वृद्ध माता-पिता की देखभाल के लिये बाध्य करने वाले 2007 के कानून में बदलाव लाकर, इसका दायरा बढ़ाने के मकसद से नये कानून लाने की तैयारी में है। माता-पिता और बुजुर्गों की देखभाल से जुड़े वर्षों पुराने कानून को प्रभावी व व्यावहारिक बनाने की कोशिश निश्चित रूप से सामाजिक एवं पारिवारिक ताने-बाने में वृद्धों को सम्मानजनक जीवन देने की सार्थक एवं सराहनीय कोशिश है।

इस समय देश में करीब 10.5 करोड़ बुजुर्ग लोग हैं और 2050 तक इनकी संख्या 32.4 करोड़ तक पहुंच जाएगी। भारत सहित 64 ऐसे देश होंगे जहाँ 30 प्रतिशत आबादी 60 वर्ष से अधिक उम्र की होगी। एकल परिवार के दौर में बुजर्गों की देखभाल और भरण पोषण एक बड़ी समस्या के तौर पर उभर रही है ऐसे में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुजुर्गों की देखभाल के लिये मेंटिनेंस ऐंड वेलफेयर ऑफ पैरंट्स ऐंड सीनियर सिटिजन ऐक्ट 2007 में संशोधन की पहल की है, नये बिल के मुताबिक अब घर के बुजुर्गों की जिम्मेदारी सिर्फ बेटे ही नहीं, बल्कि बहू-दामाद, गोद लिए गए बच्चे, सौतेले बेटे और बेटियों की भी होगी। बिल लाने का मकसद बुजुर्गों का सम्मान सुनिश्चित करना है। पहले वृद्ध माता-पिता अपनी संतानों से दस हजार रुपये तक का गुजारा भत्ता पाने के हकदार थे। बताया जा रहा है कि नये विधेयक के अनुसार अब माता-पिता का गुजारा भत्ता बच्चों की आर्थिक हैसियत से तय होगा। वहीं बच्चों के साथ कटुता कम करने के प्रयासों में माता-पिता व बुजुर्गों को त्यागने अथवा दुर्व्यवहार पर बच्चों को दी जाने वाली सजा में कमी करने की भी तैयारी है। ऐसा सामाजिक संगठनों से विमर्श के बाद किया गया है। क्योंकि लंबी सजा से माता-पिता और बच्चों के संबंधों में ज्यादा खटास बढ़ती है। कहा जा रहा है कि सरकार बजट सत्र में इस विधेयक को पेश कर सकती है। दरअसल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने बुजुर्गों की देखभाल से जुड़े 2007 के कानून में बदलाव की पहल तब की, जब समाज में बुजुर्गों की अनदेखी व दुर्व्यवहार के मामले तेजी से बढ़े हैं।

भारतीय संस्कृति एवं सभी धार्मिक ग्रंथों में माता पिता को भगवान का रूप माना गया है और उनकी निःस्वार्थ सेवा करने की बात कही गयी है, लेकिन इसके बावजूद कई लोग अपने बुजुर्ग माता-पिता की सेवा करना तो दूर उल्टा उन्हें परेशान करते रहते हैं। इसलिये विभिन्न राज्यों की सरकारें बुजुर्ग आत्म-सम्मान के लिये नये कानून बना रही है। उत्तरप्रदेश में योगी सरकार अब बुजुर्ग मां-बाप की संपत्ति हड़प कर उन्हें बेदखल करने वाले बच्चों के खिलाफ सख्त कानून लाने की तैयारी कर रही है। इसके तहत माता-पिता की संपत्ति हड़प कर उन्हें घर से बाहर निकलने वाले बेटे-बेटियों की खैर नहीं होगी। कुछ दूसरी तरह से असम सरकार ने वृद्धों की उपेक्षा पर विराम लगाने की दृष्टि से ही राज्य कर्मचारियों के लिए नवंबर में दो विशेष अवकाश शुरू किए हैं, ताकि वे अपने माता-पिता या सास-ससुर के साथ समय बिता सकें। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने अपनी घोषणा में परिवार के महत्व पर जोर दिया। 6 और 8 नवंबर को मिलने वाली ये विशेष छुट्टियां कर्मचारियों को उनके बुजुर्ग माता-पिता या सास-ससुर से जुड़ने के लिए हैं। इसका उद्देश्य परिवार के वरिष्ठ सदस्यों के प्रति सम्मान और देखभाल दिखाना है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने अपनी घोषणा में परिवार के महत्व पर जोर देते हुए कहा है कि 'माता-पिता का आशीर्वाद हमारे जीवन के लिए आवश्यक है। एक आदर्श नागरिक के रूप में, अपने माता-पिता की भलाई सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है।'

असम सरकार ने पूर्व में राज्य विधानसभा ने असम कर्मचारी माता-पिता जिम्मेदारी एवं जवाबेदही तथा निगरानी नियम विधेयक, 2017 या प्रणाम विधेयक भी पारित कर चुकी है। इसका मकसद यह सुनिश्चत करना है कि राज्य सरकार के कर्मचारी अपने वृद्ध हो रहे माता-पिता या शारीरिक रूप से अशक्त भाई-बहन की देखभाल करें नहीं तो उनके वेतन से पैसे काट लिए जाएंगे। पूरे देशभर के लोग इस कानून को असम सरकार का एक अच्छा कदम बताया। नियमों के तहत अगर कोई व्यक्ति (सरकारी कर्मचारी) उसपर निर्भर माता-पिता की देखभाल नहीं करता तो उसके कुल वेतन का 10 प्रतिशत हिस्सा काट लिया जाएगा और वह राशि माता-पिता के खाते में डाल दी जाएगी। दिव्यांग (शारीरिक रूप से अशक्त) भाई-बहन होने की स्थिति में वेतन से 15 प्रतिशत तक हिस्सा काट लिया जाएगा।

अब केन्द्र सरकार द्वारा 2007 के कानून में बदलाव लाकर, नये विधेयक में इससे जुड़े कानून की व्यावहारिक दिक्कतों को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि, मंत्रालय ने कानून में बदलाव की पहल वर्ष 2019 में कर दी थी। इसी साल लोकसभा में एक विधेयक भी पेश किया गया था। इसके व्यापक पहलुओं की पड़ताल के लिये विधेयक को बाद में संसदीय समिति के पास भेज गया था। संसदीय समिति की सिफारिशों के आधार पर सरकार ने एक बार फिर एक विधेयक को संसद में पेश किया था। लेकिन वह पारित नहीं हो पाया था। कालांतर 17वीं लोकसभा का कार्यकाल खत्म होने के कारण विधेयक निष्प्रभावी हो गया था। जिसके बाद अब सरकार नये सिरे से इस विधेयक को संसद में लाने की तैयारी में है। उल्लेखनीय है कि इस विधेयक में कई नये प्रावधानों को जोड़ा गया है। विधेयक में प्रत्येक जिले में बुजुर्गों की गणना, मेडिकल सुविधाओं से लैस वृद्ध आश्रम व जिला स्तर पर एक सेल गठित करने जैसे प्रावधान हैं।

संतान द्वारा बुजुर्गों की आवश्यकताओं को पूरा न करना गरिमा के साथ स्वतंत्र जीवन जीने जैसे मानवाधिकारों का हनन है। संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने इस स्थिति को नियंत्रण से बाहर कर दिया है। वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार के इस गलत प्रवाह को रोकने की दृष्टि से नया कानून प्रभावी कदम है, इससे बच्चों की अपने माता-पिता की उपेक्षा पर विराम लग सकेगा। सभी के लिये बुजुर्ग पीढ़ी के लिए सम्मान, सुरक्षा और कल्याण को सुनिश्चित करना प्राथमिकता होनी ही चाहिए। हम एक ऐसी दुनिया बनाएं जहाँ हर बुजुर्ग अपने बुढ़ापे को गरिमा, आत्मसम्मान, सुरक्षा और स्वस्थता के साथ जी सके। वृद्धों को बंधन नहीं, आत्म-गौरव के रूप में स्वीकार करने की अपेक्षा है। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। यदि परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। वर्तमान युग की बड़ी विडम्बना एवं विसंगति है कि वृद्ध अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, वृद्धों की उपेक्षा स्वस्थ एवं सृसंस्कृत परिवार परम्परा पर काला दाग है, यह आदर्श-शासन व्यवस्था के लिये भी शर्म का विषय है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्धों को मुक्ति दिलाने के लिये नये कानून बनाने के साथ उसे सख्ती से लागू करने की भी अपेक्षा है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

समारोह

मुंबई में बुधवार को मुंबई वडाला प्रति पंढरपुर मंदिर में आयोजित आषाढ़ी एकादशी समारोह में पारंपरिक पोशाक पहने लोग और बच्चे भाग लेते हुए।

‘रिजॉल्व तिब्बत एक्ट’ लाने के पीछे चीन के साथ अमेरिका की प्रतिद्वंद्विता मुख्य वजह : मेनन

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) शिवशंकर मेनन ने दावा किया है कि अमेरिका द्वारा हाल में ‘रिजॉल्व तिब्बत एक्ट’ लाने के पीछे मुख्य वजह तिब्बत के प्रति उसकी चिंता नहीं बल्कि चीन के साथ प्रतिद्वंद्विता है।

पूर्व राजनयिक दिलीप सिन्हा की किताब ‘‘इम्पीरियल गेम्स इन तिब्बत: द स्ट्रगल फॉर स्टेटहुड एंड सॉवरीनिटि’’ के विमोचन के अवसर पर मंगलवार को मेनन ने तर्क दिया कि तिब्बत के प्रति अमेरिका की प्रतिबद्धता की ‘‘स्पष्ट सीमाएं’’ हैं और वे आज अपने हित में तिब्बत का झंडा लहरा रहे हैं।

मेनन ने कहा, ‘‘मैं यह कहने में बहुत सावधानी बरतना चाहूंगा कि ‘दुनिया बदल गई है क्योंकि उन्होंने (अमेरिका ने) एक कानून पारित कर दिया है।’ मुझे लगता है कि आपको शक्तियों के बुनियादी सह-संबंध और शक्तियों के संतुलन, लोगों की वास्तविक ताकत और महाशक्तियों के हित क्या हैं और वे इस समय इसे कैसे देखते हैं, इस पर गौर करने की जरूरत है।’’

वर्ष 2006-09 तक विदेश सचिव रह चुके मेनन ने कहा, ‘‘आज, अमेरिकी तिब्बत का झंडा लहराने को अपना हित मानते हैं, लेकिन वे तिब्बत को मान्यता देने के दायरे तक नहीं जाना चाहते...यह तिब्बत के लिए चिंता से प्रेरित नहीं है, बल्कि इसका मुख्य कारण चीन के साथ प्रतिद्वंद्विता है।’’

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के हाल में संबंधित विधेयक पर हस्ताक्षर करने से यह कानून बना गया है, जो तिब्बत के लिए अमेरिकी समर्थन को बढ़ाता है और सुदूर हिमालयी क्षेत्र की स्थिति और शासन पर विवाद के शांतिपूर्ण समाधान के लिए चीन और दलाई लामा के बीच बातचीत को बढ़ावा देता है।

दूसरी ओर, चीन ने ‘रिजॉल्व तिब्बत एक्ट’ का विरोध करते हुए इसे ‘‘अस्थिरता पैदा करने वाला’’ कानून बताया था। यह कानून तिब्बत के लिए अमेरिकी समर्थन को बढ़ाता है। यह कानून अमेरिकी अधिकारियों को चीन सरकार की ओर से तिब्बत के बारे में गलत सूचनाओं का सक्रिय और सीधे तौर पर मुकाबला करने का अधिकार देता है। मेनन (75) ने तिब्बती संस्कृति, सभ्यता और पहचान को ‘‘मजबूत बनाए रखने’’ के लिए भारत के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि तिब्बत अपनी समस्याओं को हल करने के लिए महाशक्तियों की प्रतिद्वंद्विता पर निर्भर नहीं रह सकता। उन्होंने कहा कि आर्मेनियाई लोगों की तरह तिब्बती भी ‘‘गुमशुदा लोग’’ हो सकते हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने मॉरीशस के शीर्ष राजनीतिक नेताओं से मुलाकात की

पोर्ट लुई/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को मॉरीशस के विपक्षी नेता अरविन बूलेल सहित वहां के शीर्ष राजनीतिक नेताओं से मुलाकात की और उनसे द्वीपीय राष्ट्र के साथ भारत की विशेष और स्थायी साझेदारी को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की।

जयशंकर मंगलवार को दो दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे। विदेश मंत्री के रूप में अपने वर्तमान कार्यकाल में यह उनका पहला दौरा था।

विदेश मंत्री ने मंगलवार को कहा था, यह हमारे द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती और गहराई को रेखांकित करता है। यह मॉरीशस के साथ भारत की विशेष और स्थायी साझेदारी के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करने का भी अवसर है। जयशंकर ने बूलेल के साथ मॉरीशस-भारत संबंधों और हिंद महासागर क्षेत्र की समृद्धि और कल्याण के लिए इसके महत्व पर चर्चा की। जयशंकर ने ‘एक्स’ पर लिखा, हमारे संबंधों को लगातार मजबूत करने के लिए उनके समर्थन का स्वागत है।

बूलेल का जन्म पोर्ट लुई में एक आर्य समाजी भारतीय मूल के मॉरीशस के परिवार में हुआ था, वे लेबर पार्टी के पूर्व नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री सैटकैम बूलेल के पुत्र हैं। उन्होंने पार्टी मौरिसियन सोशल डेमोक्रेट के नेता जेवियर ल्यूक डुवाल से भी मुलाकात की।

मुलाकात के बाद जयशंकर ने ‘एक्स’ पर कहा, भारत-मॉरीशस साझेदारी को मजबूत करने पर विचारों का अच्छा आदान-प्रदान हुआ। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्रियों पॉल बेरेन्जर और नवीन रामगुलाम से भी मुलाकात की।

जयशंकर ने कहा, पूर्व प्रधानमंत्री पॉल बेरेन्जर से मिलकर अच्छा लगा। समकालीन वैश्विक मुद्दों पर जीवंत बातचीत हुई। भारत-मॉरीशस संबंधों के लिए उनके समर्थन की सराहना करता हूं।

बेरेन्जर 2003 से 2005 तक मॉरीशस के प्रधानमंत्री रहे।

जयशंकर ने ‘एक्स’ पर लिखा, आज सुबह पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. रामगुलाम से मिलकर खुशी हुई। हमारी दीर्घकालिक द्विपक्षीय साझेदारी और इसके आगे विकास की व्यापक इच्छा पर चर्चा की। भारत-मॉरीशस संबंधों के लिए उनके समर्थन की सराहना करता हूं। रामगुलाम के पूर्वज बिहार से मॉरीशस चले आए थे। वह दिसंबर 1995 से सितंबर 2000 तक पहली बार प्रधानमंत्री रहे। पांच जुलाई 2005 को वे दूसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री बने और 2014 तक इस पद पर रहे।

बैठक

नई दिल्ली में बुधवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा सीडीएससीओ अधिकारियों (केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन) के साथ समीक्षा बैठक की।

ट्रंप के बारे में सच बोलना नहीं बंद करूंगा : बाइडन

लास वेगास/दक्षिण भारत। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने मंगलवार को एक बार फिर राजनीतिक बयानबाजी में कड़वाहट कम करने का आह्वान किया। हालांकि, उन्होंने राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव में अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए यह भी कहा कि ऐसा करने का यह मतलब नहीं है कि हम सच बोलना बंद कर दें।

लास वेगास में एनएएसीपी सम्मेलन को संबोधित करते हुए बाइडन ने कहा कि देश में राजनीतिक हिंसा से निपटने का मतलब हर तरह के खूनखराबे पर लगाम लगाना, पुलिस की क्रूरता का बेहतर मुकाबला करना और ट्रंप पर बीते सप्ताहांत हुए हमले में इस्तेमाल एआर-स्टाइल राइफल जैसे हथियारों पर प्रतिबंध लगाना होना चाहिए।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, देश में एक महत्वपूर्ण चर्चा का समय आ गया है। हमारा राजनीतिक परिदृश्य बहुत गरमा गया है। और चार साल के नारों के बीच उन्होंने कहा, सिर्फ इसलिए कि हमें अपनी राजनीतिक बयानबाजी में कड़वाहट कम करनी चाहिए, क्योंकि यह हिंसा से संबंधित है, इसका मतलब यह नहीं है कि हमें सच बोलना बंद कर देना चाहिए। सम्मेलन में राष्ट्रपति अश्वेत मतदाताओं के लिए अपने प्रशासन के समर्थन को प्रदर्शित करते नजर आए, जो डेमोक्रेटिक पार्टी का बड़ा वोट बैंक होने के साथ ही उनके दृढ़ समर्थक भी माने जाते हैं। उन्होंने राष्ट्रपति के पद पर ट्रंप के कार्यकाल को अश्वेत अमेरिकियों के लिए ‘नर्क’ करार दिया। बाइडन ने कोरोना वायरस महामारी के कुप्रबंधन, लॉकडाउन के दौरान बढ़ी बेरोजगारी और अश्वेत इतिहास को मिटाने के कथित प्रयासों को लेकर भी पूर्ववर्ती ट्रंप प्रशासन पर निशाना साधा।

बाइडन ने ट्रंप के ब्लैक जॉब्स का संदर्भ देने का उपहास किया और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का जिक्र करते हुए कहा, मुझे यह वाक्यांश पसंद है। मुझे पता है कि ब्लैक जॉब से उनका मतलब क्या है। उनका मतलब अमेरिका की उपराष्ट्रपति से है। वह राष्ट्रपति बनने के भी योग्य हैं।

बाइडन ने देश के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बराक ओबामा का भी जिक्र किया। उन्होंने केतनजी ब्राउन जैक्सन का भी नाम लिया, जो अमेरिका के उच्चतम न्यायालय में नियुक्त होने वाली पहली अश्वेत एवं महिला न्यायाधीश हैं।

बाइडन पिछले महीने ट्रंप के साथ बहस में खराब प्रदर्शन के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी में राष्ट्रपति पद की उनकी उम्मीदवारी पर उठते सवालों के बीच एनएएसीपी सम्मेलन में पहुंचे। राष्ट्रपति के खराब प्रदर्शन ने उम्र, सेहत और ट्रंप को हराने की उनकी क्षमता को लेकर पार्टी नेताओं और मतदाताओं की चिंता बढ़ा दी है।

हालांकि, बाइडन ने राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने की मांग खारिज कर दी है। उन्होंने दावा किया है कि वह राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए सबसे योग्य व्यक्ति हैं और ट्रंप को एक बार फिर हरा सकते हैं।

बंगला सिनेमा को विशिष्ट पहचान दिलाई कानन देवी ने

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा जगत में कानन देवी का नाम एक ऐसी शख्सियत के तौर पर याद किया जाता है, जिन्होंने न सिर्फ फिल्म निर्माण की विद्या से बल्कि अभिनय और पार्श्वगायन से भी दर्शकों के बीच अपनी खास पहचान बनायी। कानन देवी मूल नाम काननबाला का जन्म पश्चिम बंगाल के हावड़ा में 1916 को एक मध्यम वर्गीय बंगाली परिवार में हुआ था। बचपन के दिनों में ही उनके पिता की मृत्यु हो गयी। इसके बाद परिवार की आर्थिक जिम्मवारी को देखते हुये कानन देवी अपनी मां के साथ काम में हाथ बंटाने लगी। कानन देवी जब महज 10 वर्ष की थी तब अपने एक पारिवारिक मित्र की मदद से उन्हें ज्योति स्टूडियो द्वारा निर्मित फिल्म जयदेव में काम करने का अवसर मिला। इसके बाद कानन देवी को ज्योतिस बनर्जी के निर्देशन में राधा फिल्मस के बैनर तले बनी कई फिल्म में बतौर बाल कलाकार काम करने का अवसर मिला। वर्ष 1934 में प्रदर्शित फिल्म .मां. बतौर अभिनेत्री कानन देवी के सिने करियर की पहली हिट फिल्म साबित हुयी। कुछ समय के बाद कानन देवी न्यू थियेटर में शामिल हो गयी। इस बीच उनकी मुलाकात

राय चंद बोराल से हुयी जिन्होंने कानन देवी को हिंदी फिल्मों में आने का प्रस्ताव दिया।तीस और चालीस के दशक में फिल्म अभिनेता या अभिनेत्रियों को फिल्मों में अभिनय के साथ ही पार्श्वगायक की भूमिका भी निभानी होती थी जिसको देखते हुये कानन देवी ने भी संगीत की शिक्षा लेनी शुरू कर दी। उन्होंने संगीत की प्रारंभिक शिक्षा उस्ताद अल्ला रक्खा और भीष्मदेव चटर्जी से हासिल की । इसके बाद उन्होंने अनादी दस्तीदार से रवीन्द्र संगीत भी सीखा।

वर्ष 1937 में प्रदर्शित फिल्म .मुक्ति. बतौर अभिनेत्री कानन देवी के सिने करियर की सुपरहिट फिल्म साबित हुयी। पी.सी.बरूआ के निर्देशन में बनी इस फिल्म की जबरदस्त कामयाबी के बाद कानन देवी न्यू थियेटर की चोटी की कलाकार में शामिल हो गयी। वर्ष 1941 में न्यू थियेटर छोड़ देने के बाद कानन देवी स्वतंत्र तौर पर काम करने लगी। वर्ष 1942 में प्रदर्शित फिल्म .जवाब. बतौर अभिनेत्री कानन देवी के सिने करियर की सर्वाधिक हिट फिल्म साबित हुयी। इस फिल्म में उन पर फिल्माया यह गीत .दुनिया है तूफान मेल. उन दिनों श्रोताओं के बीच काफी लोकप्रिय हुआ। इसके बाद कानन देवी की हॉस्पिटल. वनफूल और राजलक्ष्मी जैसी फिल्में प्रदर्शित हुयी जो टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुयी।

वर्ष 1948 में कानन देवी ने मुंबई का रूख किया। इसी वर्ष प्रदर्शित चंद्रशेखर बतौर अभिनेत्री कानन देवी की अंतिम हिंदी फिल्म थी। फिल्म में उनके नायक की भूमिका अशोक कुमार ने निभायी। वर्ष 1949 में कानन देवी ने फिल्म निर्माण के क्षेत्र में भी कदम रख दिया। अपने बैनर श्रीमती पिक्चर्स के बैनर तले कानन देवी ने कई सफल फिल्मों का निर्माण किया।वर्ष 1976 में फिल्म निर्माण के क्षेत्र में कानन देवी के उल्लेखनीय योगदान को देखते हुये उन्हें फिल्म जगत के सर्वोच्च सम्मान दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कानन देवी बंगाल की पहली अभिनेत्री बनी जिन्हें यह पुरस्कार दिया गया था।

‘एक्सीडेंट ऑर कॉन्सपिरेसी गोधरा’ देखकर मेरा दिल दहल गया : माया कोडनानी

मुंबई/एजेन्सी

गोधरा कांड पर बनी फिल्म ’एक्सीडेंट ऑर कॉन्सपिरेसी गोधरा’ की हाल ही में स्पेशल स्क्रीनिंग की गई। इसमें पूर्व भाजपा विधायक माया कोडनानी शामिल हुईं। ये स्क्रीनिंग अहमदाबाद और गोधरा में आयोजित की गई। फिल्म के दौरान दर्शक सीन को देख भावुक हो गए। मीडिया से बात करते हुए माया ने कहा. फिल्म ’एक्सीडेंट ऑर कॉन्सपिरेसी गोधरा’ देखने के बाद मैं निःशब्द हूं। जनता को सच्चाई से रूबरू कराना जरूरी है। गोधरा दंगे का भ्रमजाल बुना गया। साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन के अंदर 59 लोगों की मौत हो गई थी, इन 59 लोगों को ट्रेन के अंदर किसने जिंदा जलाया,

इसकी जानकारी सामने नहीं आई। इस फिल्म में वह सीक्वेंस देखने के बाद मेरा दिल दहल गया। उन्होंने कहा, इस फिल्म ने गोधरा मामले के बारे में सच्चाई को सामने रखने का प्रयास किया गया है, जो काफी सराहनीय है। गोधरा मामले के लिए भाजपा को दोषी ठहराने के पीछे की सच्चाई फिल्म में दिखाई गई है।’’

निर्माता बी.जे. पुरोहित ने घोषणा की है कि फिल्म की कमाई का 10 प्रतिशत गोधरा ट्रेन हत्याकांड में मारे गए 59 लोगों के परिवारों को दिया जाएगा। निर्देशक एम.के. शिवाक्ष समेत फिल्म के कलाकार और क्रू ने गोधरा पीड़ितों के परिवारों से मुलाकात की थी। ’एक्सीडेंट ऑर कॉन्सपिरेसी गोधरा’ कई स्टेज और टेस्ट से होकर गुजरी, जिसके चलते प्रोड्यूसर्स को रिजल्ट के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। फिल्म को सेंसर की मंजूरी मिल गई है। यह फिल्म 19 जुलाई को हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

फिल्म ‘किंग’ में विलेन बनेंगे अभिषेक बच्चन

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जूनियर बी अभिषेक बच्चन फिल्म किंग में विलेन के किरदार में नजर आ सकते हैं। सिद्धार्थ आनंद की कंपनी मारफ्लिक्स पिक्चर्स और शाहरुख खान की होम प्रोडक्शन कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट की आने वाली फिल्म ‘किंग’ में शाहरूख खान और उनकी बेटी सुहाना की मुख्य भूमिका है। चर्चा है कि फिल्म किंग में अभिषेक बच्चन की भी एंट्री हो गई है। फिल्म किंग का निर्देशन सुजॉय घोष करेंगे।फिल्म ‘किंग’ में अभिषेक बच्चन विलेन बनने जा रहे हैं।

अभिषेक बच्चन और शाहरुख खान इसके पहले ‘कभी अलविदा न कहना’ और ‘हैप्पी न्यू ईयर’ जैसी

फिल्मों में काम कर चुके हैं।फिल्म ‘किंग’ की शूटिंग की तैयारियां इन दिनों लंदन में तेजी से चल रही हैं।फिल्म ‘किंग’ की शूटिंग नवंबर महीने में शुरू होगी और यह फिल्म अगले साल दिसंबर में रिलीज हो सकती है।

‘कल्कि 2898 एडी’ प्रतिष्ठित टीसीएल चाइनीज थिएटर में प्रदर्शित हुयी

मुंबई/एजेन्सी

ब्लॉकबस्टर फिल्म कल्कि 2898 एडी लॉस एंजिल्स के प्रतिष्ठित टीसीएल चाइनीज थिएटर में प्रदर्शित की गयी। वर्ष 2024 की सबसे बड़ी फिल्म, कल्कि 2898 एडी, दुनिया भर में एक महाकाव्य ब्लॉकबस्टर रही है। यह उन दुर्लभ फिल्मों में से एक है जिसने सिर्फ़ 15 दिनों के भीतर वैश्विक बॉक्स ऑफ़िस पर 1000 करोड़ का आंकड़ा पार किया है।यह फिल्म सीमाओं को पार कर गई है और हाल ही में प्रतिष्ठित टीसीएल चाइनीज थिएटर में प्रदर्शित की गई। वर्ष 1927 से, टीसीएल चाइनीज थिएटर सबसे प्रमुख रेड-कार्पेट मूवी प्रीमियर और विशेष आयोजनों का घर रहा है। यह वह जगह है जहाँ हॉलीवुड के सबसे बड़े और सबसे चमकीले सितारे अपनी फ़िल्में देखने आते हैं।

इस स्क्रीनिंग में 900 से ज़्यादा दर्शक मौजूद थे, जिन्होंने फ़िल्म का उत्साहवर्धन किया। इस महान कृति ने अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में भी महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। इस फिल्म को कार्यक्रम में मौजूद विविध दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली।

जबरदस्त प्रतिक्रिया को देखते हुए निर्देशक नाग अश्विन ने आभार व्यक्त किया और दर्शकों से बातचीत की। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित और वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित, कल्कि 2898 एडी 27 जून, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, कमल हसन, प्रभास और दीपिका पादुकोण की अहम भूमिका है।

मिडिल क्लास व्यक्ति की तरह जिंदगी जीता हूं: पंकज त्रिपाठी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक और नेशनल अवॉर्ड विजेता पंकज त्रिपाठी अपने किरदार को बेहतरीन तरीके से निभाने के लिए जाने जाते है। वह लग्जरी लाइफस्टाइल जीने के बजाय साधारण जिंदगी जीना पसंद करते है। अपने लाइफस्टाइल को लेकर पंकज ने आईएएनएस से बात की। उन्होंने कहा, आपने देखा होगा कि मैं अपनी निजी जिंदगी में कैसा हूं। मैं एक मिडिल क्लास व्यक्ति हूं। मेरा काम भले ही ऐसा न लगे, लेकिन मेरे जीने का तरीका वास्तव में वैसा ही है... मैं अपनी जिंदगी को बिल्कुल ऐसे ही एन्जॉय करता हूं।’’ वह अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को कैसे बैलेंस करते हैं? एक्टर ने कहा, ’’मैंने अपना काम कम कर दिया है, ताकि मैं अब जिंदगी को बेहतर तरीके से बैलेंस कर सकूं। मैं अभी घर पर हूं।

जब तक मेरी पत्नी मुझसे परेशान नहीं हो जाती, मैं घर पर ही रहूंगा... अभी मैं कम काम कर रहा हूं। पहले मैं ज्यादा काम करता था और बहुत बिजी रहता था... मैं कुछ समय के लिए कम काम करूंगा।’’ एक्टर का मानना ङ्क्षहै कि स्क्रीन पर ज्यादा एक्सपोजर से लोग बोर हो जाएंगे और मैं भी। पंकज ने कहा, प्रमोशन के बाद मैं निकलना पसंद करता हूं। मुझे अपनी जगह पर रहना पसंद है। उन्होंने आगे कहा, ’’जब बात मेरे प्रोजेक्ट्स की आती है तो मैं सबसे कम जानकारी रखने वाला व्यक्ति हूं, क्योंकि मैं काम करके वापस घर भागता हूं। निर्माता जानते हैं कि मुझे कोई जानकारी नहीं चाहिए, तो फिर क्यों बताएं?’’ पंकज ने कहा, मैं काम करता हूं और घर आ जाता हूं। जब फिल्म के लिए एडिटिंग होती है या नहीं, तो वे कॉल करते हैं और कहते हैं कि उन्हें किसी शूट के लिए डेट चाहिए, तो मैं हां कह देता हूं। मुझे कोई आइडिया नहीं होता।’’

’मिर्जापुर 3’ में पंकज को बहुत कम स्क्रीन स्पेस दिया गया था। , इस सीरीज में उन्होंने कालीन भैया की भूमिका निभाई थी। यह पूछे जाने पर कि कालीन भैया को इतना पसंद क्यों किया जाता है, पंकज ने कहा, वह एक नए तरह का डॉन है। ट्रेडिशनल डॉन नहीं। वह शालीन व्यक्ति है, लेकिन उसका काम अजीब है। उनमें एक खास तरह की कॉमेडी थी, जो इस सीजन में नहीं थी, क्योंकि वह लो लाइफ में है। उनका मानना हैं कि कालीन भैया में कुछ पसंद करने लायक है। उन्होंने कहा, उनमें कुछ तो है, जो पसंद करने लायक है, जिसे मैंने बनाने की कोशिश की क्योंकि राइटिंग में वह सिर्फ एक खलनायक थे, लेकिन एक्टिंग करते समय यह उस रूप में आ गए और यही करेक्टर में अनूठा है। एक्टर के बारे में बात करें तो उनका जन्म 28 सितम्बर 1976 को बिहार के गोपालगंज जिले के बेलसंड गांव में हुआ था। वह आज जिस मुकाम पर हैं, वहां पहुंचने में उन्हें कड़ा संघर्ष करना पड़ा। कॉलेज के दिनों में वह प्ले में हिस्सा लेते थे। एक्टर बनने के लिए उन्होंने कई ऑडिशन दिए। साल 2004 में उन्हें टाटा टी का एड मिला, जिसमें वह नेता बने। उसी साल उन्हें अभिषेक बच्चन की फिल्म ’रन’ में छोटा सा रोल भी मिला। लेकिन उनके करियर को उड़ान अनुराग कश्यप की फिल्म ’गैंग्स ऑफ वासेपुर’ से मिली। इसके बाद उन्हें ’फुकरे’ , ’मसान’, ’निल बटे सन्नाटा’, ’बरेली की बर्फी’, ’न्यूटन’, ’मिमी’, ’स्त्री’, ’लूडो’, ’गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल’, ’बच्चन पांडे’ जैसी हिट फिल्मों में देखा गया। पंकज त्रिपाठी ओटीटी पर भी छाए रहे। ’क्रिमिनल जस्टिस सीजन 3’, ’सेक्रेड गेम्स’, ’मिर्जापुर’ जैसी सीरीज को काफी पसंद किया गया।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के तहत बच्चों में सद् संस्कारो के सींचन हेतु 'क्रोधी नहीं सहनशील बनो' विषयक संस्कारशाला का आयोजन मालगाला स्थित गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल में किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूर के बन्नरघट्टा नेशनल पार्क के सामने श्री खाटू श्याम मंदिर में आषाढ शुक्ल एकादशी पर बुधवार को बाबा खाटू श्याम जी के मनोहारी दर्शन ।

जीवहिंसा से बचाव व अहिंसा का पालन ही चातुर्मास की सार्थकता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में विनयमुनिजी खींचन ने कहा कि चातुर्मास के काल में ज्यादा जीवोत्पत्ति होने के कारण साधु साध्वी को एक जगह स्थिर रहने का कल्प हैं। यह समय आत्मा और आत्मिक तप के लिए होता है। हम जीव हिंसा से बचें और अहिंसा को आचरण में लाएं, यही चार्तुमास की सार्थकता है। धर्म के नाम पर यात्रा करने का आगम में कहीं उल्लेख नही है। विनयमुनिजी ने कहा कि साधक चाहे एक हो या अनेक हो, उन्हें अपनी साधना आराधना करते रहना चाहिए।

साधक चित्र का नही चारित्र का उपासक हो। चार्तुमास काल में हम वैसा जीवन जिएं जैसा आगम में बताया है। वनस्पति का विवेक रखें। शक्ति अनुसार छोटे छोटे तप कर आत्मा को तप अभ्यस्त करें। प्रदर्शन से बचें और स्व दर्शन करें्।अलसूर श्रावक संघ के मंत्री अभयकुमार बांठिया ने संचालन किया।

'दादा गुरुदेव ने समग्र जैन समाज को एक करने में दिया महत्त्वपूर्ण योगदान'

बसवनगुड़ी में गुरुदेव जिनदत्तसूरीश्वर की पुण्यतिथि पर हुआ गुणगान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्तसूरीश्वरजी की 870वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट के महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने युगप्रधान गुरुदेव को श्रद्धासुमन अर्पित किए। बसवनगुडी में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री मलयप्रभसागरजी ने कहा कि दादा गुरुदेव महान थे यह कहने से हमारा उद्धार नहीं होगा, हमें उनके द्वारा स्थापित समाज और गच्छ की सेवा, प्रसार और विस्तार करना हमारी जिम्मेदारी है। गुरुदेव ने लाखों अजैनों को जैन बनाने के साथ उन्हें सप्त व्यसनों का त्याग करवाया। आज से 870 वर्ष पूर्व गुरुदेव के देवलोकगमन के पश्चात देह संस्कार के समय उनकी चद्दर चोलपट्टा और मुंहपत्ति अग्नि में भस्मीभूत नहीं हुए जो कि आज भी जैसलमेर के ज्ञान भण्डार में विद्यमान है। मुनिश्री ने गुरुदेव के जीवन चरित्र पर विस्तार से प्रकाश डाला और उनके गुणों को याद किया।

मलयसागरजी ने कहा कि लाखों नूतन जैन बनाने वाले और जैन समाज के गोत्रों के रचियता दादा गुरुदेव ने शासन के लिए बहुत काम किया, समग्र जैन समाज को एक करने में इनका काफी योगदान रहा। दादा गुरुदेव ने जैन शासन को अमूल्य सहित्य की अनुपम भेंट दी। मुनि मुकुलप्रभ सागरजी ने कहा कि दादा श्री जिनदत्त सूरीश्वर जी ने एक साथ 1200 दीक्षाएं प्रदान की और एक लाख तीस हजार नूतन जैन बनाए। हमें समय, समर्पण और सेवा द्वारा जिनशासन की सेवा करनी है। साध्वी जी श्री स्वर्णांजना श्री जी और मुद्रांजना श्री जी म. सा. ने कहा कि दुनिया में क्या कोई ऐसा व्यक्ति है जो हमारी सुप्त शक्तियों को जाग्रत कर दे, वह सिर्फ हमारे गुरु ही है जो हमारे गुणों को बाहर ला सके। यह हमारा सौभाग्य ही है कि हमें चार चार युगप्रधान गुरुदेव मिले हैं। गुरुदेव ने हमें समझ, संस्कार और संयम का दान दिया है।

प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने जानकारी देते हुए कहा कि दादा गुरुदेव अपने गुणों और अनगिनत चमत्कारों के कारण समूचे समाज में पूजनीय बन गए, क्योंकि प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्तसूरिजी का सम्पूर्ण समाज तथा देश के प्रति उपकार असीम है। इसलिए वे गच्छ, समाज तथा सम्प्रदाय की सीमाओं से निर्बंध है। ट्रस्ट के प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने जानकारी देते हुए कहा कि श्री जिनदत्तसूरीजी का जीवन श्रमण संघ का ऐसा जगमगाता आलोक पुंज है, जो शताब्दियों के काल-खण्ड प्रहवन के उपरांत भी हमें आत्म-विकास की राह दिखलाता है, हमारे चरित्र, व्यवहार तथा साधना का मार्ग आलोकित करता है।

गुणानुवाद सभा के पश्चात खरतरगच्छ महिला परिषद् द्वारा रेखा विनोद चौपड़ा परिवार के सौजन्य से गुरुदेव की पूजा पढ़ाई गई। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष महेन्द्रकुमार रांका, कोषाध्यक्ष रनजीत ललवानी, पारसमल पगारिया, राजेन्द्र गुलेच्छा, अनिल भडकतिया के साथ दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के सदस्य और पदाधिकारी उपस्थित थे।

कारगिल विजय दिवस — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने राजभवन में श्रद्धांजलि कलश पर पुष्पांजलि अर्पित की और इसे सिटीजन्स सोसाइटी ऑफ इंडिया के प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को सौंप दिया। इसस मौके पर कर्नल पीवी. हरि, कारगिल कैप्टन एससी भंडारी और अन्य उपस्थित थे।

चातुर्मास की सार्थकता जिनवाणी श्रवण में : आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरी

वीवी पुरम सिंमधर शांतिसूरी संघ में हुआ चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित सिंमधर शांतिसूरी जैन संघ में बुधवार को आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी आदि के चातुर्मास प्रवेशोत्सव में दिखा अपूर्व उत्साह। चातुर्मास प्रवेशोत्सव के अवसर पर आयोजित स्वागत समारोह में उपस्थित सभा को संबोधित करते हुए आचार्य अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने चातुर्मास के महत्व को समझाते हुए कहा कि चातुर्मास धर्म की ऋतु ह और समझदार साधक प्रमाद किए बिना इसका भरपूर फायदा उठा सकता है। संसार के जीवों का जीवन समस्याओं से घिरा हुआ है और समस्याओं का समाधान सही ज्ञान द्वारा होता है। सही ज्ञान का मुख्य स्रोत है जिनवाणी। चातुर्मास की सफलता भी जिनवाणी श्रवण और शक्ति अनुसार उसके आचरण में है।

सभा का संचालन करते हुए मीठालाल पावेचा ने चातुर्मास को संस्कार सींचन का समय बताया। राहुल कपूर ने प्रवचन श्रवण से होने वाले लाभों को साझा किया, एवं चिकपेट संघ के अध्यक्ष गौतम सोलंकी ने आचार्यश्री के सम्मुख उनके साथ बिताए बचपन के संस्मरणों को ताज़ा करते हुए उनकी धर्म प्रेरणा हेतु कृतज्ञता व्यक्त की। आगामी चातुर्मास हेतु अजितनाथ जैन संघ, नगरथपेट, त्यागराजनगर जैन संघ, माधवनगर जैन संघ आदि संघों ने आचार्यश्री से निवेदन किया। चातुर्मास के दौरान प्रतिदिन विभिन्न विषयों पर अनेक ज्ञान सत्रों के आयोजन द्वारा युवाओं में धर्म के प्रति जागृति लाने का प्रयास किया जाएगा ।

' दि इनर स्टोरी' ट्रेड फेयर के दूसरे दिन दिखी व्यापारियों की भारी भीड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन(किया) की पैलेस ग्राउंड स्थित गायत्री विहार सागर में वार्षिक प्रदर्शनी 'दि इनर स्टोरी' नामक ट्रेड शो के दूसरे दिन बड़ी संख्या में व्यापारियों ने स्टालों का अवलोकन कर नए व मौजूद उत्पादों के बारे में जानकारी प्राप्त कर जमकर बुकिंग कराई। इस मौके पर विभिन्न निर्माता व उत्पादक व्यापारियों को विशेष ऑफर स्कीम भी दे रहे है। आने वाले उत्सव व पर्वों को देखते हुए प्रदर्शनी में स्टॉल धारकों व प्रदर्शकों को अच्छा रेस्पांस मिल रहा है,बुधवार को करीब 1750 व्यापारियों ने पंजीकरण कराया।। दूसरे दिन इनरवियर उद्योग के अनेक जाने माने लोगों ने, बिग बॉस फेम तनिशा बोप्पना आदि गणमान्यों ने प्रदर्शनी का दौरा किया।

अध्यक्ष दिलीपकुमार जैन, उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी उपाध्यक्ष महावीरचंद मेहता, सचिव रविन्द्र बम्बोली, कोषाध्यक्ष प्रकाश जैन, संयुक्त सचिव शैंकी जैन व जिनेन्द्र कुमार, सहकोषाध्यक्ष विनोद चौहान सहित प्रदर्शनी समन्वयक राजेश चोपड़ा अपनी टीम के साथ व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं।

महालक्ष्मीलेआउट में धूमधाम से हुआ साध्वीद्वय का चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मीलेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन चैरिटेबल ट्रस्ट मंडल के तत्वावधान में लेआउट स्थित कंचनबाई बंबोरी जैन उपाश्रय में बुधवार को आचार्यश्री महापद्मसूरीश्वरजी के आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री नयदर्शाश्रीजी व ज्ञेयदर्शाश्रीजी का चातुर्मास प्रवेश हुआ। प्रातः काल से नरेश बंबोरी के निवास सर चातुर्मास का सामैया निकला जो कि विभिन्न मार्गों से होते हुए उपाश्रय पहुंचा। शोभायात्रा में ट्रस्ट के सभी ट्रस्टी व सदस्य गणवेश में तथा विभिन्न नवयुवक मंडल, शांति नवकार बालिका मंडल एलएन पुरम, सरगम मंडल, महालक्ष्मी लेआऊट महिला मंडल नारी शक्ति मंडल के सदस्य शामिल हुए। भगवान महावीर स्वामीजी के जयकारे लगाते हुए शोभायात्रा विभिन्न मार्गों से होती हुई वासवी कल्याण मंडप में धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। इस मौके पर अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए गए। संघ के अध्यक्ष नरेश बम्बोरी ने सभी का स्वागत किया। साध्वीश्री ने चातुर्मास में होने वाले मंगलमय कार्यक्रम की जानकारी प्रदान की।

'क्रोधी नहीं-सहनशील बनो' कार्यशाला का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के तहत बच्चों में सद् संस्कारो के सींचन हेतु 'क्रोधी नहीं सहनशील बनो' विषयक संस्कारशाला का आयोजन मालगाला स्थित गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल में किया। अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत किया।

कार्यशाला मेंमुख्य वक्ता रक्षा मांडोत ने विषय पर अपनी प्रस्तुति देते हुए छोटे-छोटे उदाहरण के माध्यम से बच्चों को क्रोध पर नियंत्रण करने के तरीके बताए। उन्होंने कहा कि हमें जल्दी से किसी भी बात पर क्रोध नहीं करना चाहिए अपितु सहनशील बनाकर उस तरह विचार करना चाहिए। सहनशीलता बहुत अच्छा गुण है सभी को अपने भीतर इसका विकास करें। कार्यक्रम में समृद्ध राष्ट्रीय योजना की स्थानीय संयोजिका महिमा पटावरी, मंडल की सहमंत्री ललिता डागा, प्रचार प्रसार मंत्री सरिता छाजेड़, पिंकी पोखरना और मोनिका बांठिया आदि उपस्थित थीं। मंत्री दीपिका गोखरु ने धन्यवाद दिया। 50 बच्चों को मंडल की ओर से उपहार दिया गया।

जीतो लेडीज अपेक्स ने बेंगलूरु नार्थ लेडीज विंग के कार्य मूल्यांकन कर किया सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो लेडीज विंग अपेक्स द्वारा दो वर्षीय 22-24 कार्यकाल की समीक्षा का एवं अवार्ड सेरेमनी का आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष संगीता ललवानी के नेतृत्व में गोवा में हुआ। राष्ट्रीय मेंटर चित्रा बलदोटा, सुमन बच्छावत, ललिता गुलेच्छा, डायरेक्टर इंचार्ज सुनीता बोहरा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अर्चना सुराणा व नीता बुचरा ने विभिन्न प्रकल्पों की जानकारी व विभिन्न चैप्टरों के कार्यों की सराहना की।

अध्यक्ष संगीता ललवानी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि दो वर्ष पहले हमने जो सोचा था, सदस्याओं ने आज उससे भी बढ़कर कार्य करके दिखाया है। जीतो लेडिस विंग के नौ ज़ोन और चौदह प्रोजेक्ट संयोजिकाओं ने पीपीटी द्वारा अपनी-अपनी प्रस्तुति दी।

बेंगलूरु नार्थ की महिला विंग द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण, आर्थिक उन्नति, उनके उद्यम में सर्वोच्चता की प्राप्ति, आत्मविश्वास की बढ़ोतरी, मानसिक सुदृढ़ता एवं समाज में एक विशेष स्थान प्रदान कराने के उद्धेश्य से दो दिवसीय प्रदर्शनी 'उड़ान',राष्ट्रीय प्रोजेक्ट जायका के सफल संचालन एवं हल्दीराम द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम, पीआर सोशल मीडिया में सर्वाधिक प्रस्तुति, जेबीएन के सफल संचालन, सर्वाधिक प्रोजेक्ट करने में अग्रणी, सर्वाधिक रिपोर्ट प्रस्तुति हर भाषा में, विशेष कार्यशैली, वक्तृत्व हेतु चेयरपर्सन बिन्दु रायसोनी की विशेष उपलब्धि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

बेंगलूरु नॉर्थ लेडीज विंग का समीक्षा एवं अवार्ड सेरेमनी कार्यक्रम में जीतो अपेक्स अध्यक्ष कांतिलाल ओसवाल, सचिव संजय जैन, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष संगीता ललवानी, महामंत्री शीतल दुगड़, मेंटर चित्रा बलदोटा, ललिता गुलेच्छा, डायरेक्टर इन चार्ज सुनीता बोहरा, उपाध्यक्ष अर्चना सुराणा, मोनिका पिरगल, निशा सामर, केकेजी ज़ोन संयोजिका यश्मा जैन ने लेडीज नॉर्थ अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी व महामंत्री सुमन वेदमुथा को सर्वांगीण उल्लेखनीय कार्य हेतु सम्मानित किया।

वीवी पुरम में रिषभ-शांति उपाश्रय का धर्मार्पण समारोह संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी की प्रेरणा से शांतिदेवी शांतिलाल भुरट परिवार द्वारा वी.वी पुरम में निर्मित रिषभ-शांति उपाश्रय कर उद्घाटन धर्मार्पण समारोह के रुप में हुआ। इस मौके पर आचार्यश्री ने कहा कि जगत का प्रत्येक जीव सुख पाने के लिए सतत प्रयत्नशील है लेकिन सुख प्राप्ति के सच्चे मार्ग से यदि वह अंजान रहेगा तो वह कभी अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाएगा। सुख-प्राप्ति और दुख-मुक्ति का एकमात्र उपाय है धर्म को समझकर जीवन में उसका आचरण करना। धर्म किसी व्यक्ति या जाति विशेष या सिर्फ मनुष्यों को सुखी करने का उपदेश नहीं देता। वह तो तमाम जीव-सृष्टि की भलाई करने का उपदेश देता है। उन्होंने कहा कि भूतकाल में भी अनेक महापुरुषों ने अपनी आराधना हेतु जगह-जगह विशाल धर्म स्थान बनाए थे और साधु-साध्वी जी को निमंत्रित कर उन्हें साधना हेतु तमाम सुविधाएं उपलब्ध करवाए, इस को शास्त्रीय परिभाषा में वसति-दान कहते हैं। शास्त्र में आहार, पानी, औषधि, वस्त्र आदि चीजों की तुलना में वसति-दान का लाभ कई गुणा ज्यादा बताया गया है क्योंकि सभी प्रकार की साधना का आधार वसति यानी स्थान है। आचार्य ने धार्मिक स्थान की पवित्रता व गरिमा को टिकाकर रखने हेतु आवश्यक आचार संहिता पर भी प्रकाश डाला। भुरट परिवार ने संतों का स्वागत किया। कार्यक्रम में अनेक संघ-संगठनों से जुड़े सदस्य उपस्थित थे। सभा का संचालन मीठालाल पावेचा ने किया।

शरीर के अंत तक साधुत्व पालता है साधु : साध्वीश्री सिद्धप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने प्रवचन में कहा कि साधु पांच प्रकार षट् जीव निकाय के पुदगल निश्रा, संघ, राजा, श्रावक व शरीर की निश्रा में अपना जीवन व्यतीत करते हैं। साधु इन पांच प्रकार की निश्रा के साथ जब तक शरीर साथ देता है तब तक साधुत्व जीवन पालता है। शरीर की निश्रा के बिना साधु जीवन को पाला नहीं जा सकता। प्रवचन के दौरान तपस्वी अंजनादेवी बोथरा को 14 दिन की तपस्या का प्रत्याखान करवाया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com